हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 91 जौनपुर, मंगलवार 26 दिसम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज – 4 मूल्य : 2 रूपया

प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार हो गया भव्य राममंदिर

अयोध्या (एजेन्सी)। रामजन्मभूमि परिसर में निर्माणाधीन राममंदिर श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा के लिए तैयार है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने रविवार को मंदिर निर्माण की ताजा तस्वीरें जारी की हैं। राममंदिर का भूतल तैयार हो चुका है। राममंदिर की सीढ़ियां भी बन गई हैं। सीढ़ियों के दोनों तरफ रेलिंग लगा दी गई हैं। कुबेर टीला पर जटायु की मूर्ति स्थापित की जा चुकी है। कुबेर टीला के सुंदरीकरण का काम भी तेजी से चल रहा है। यहां प्राचीन शिवालय का भी सुंदरीकरण लगभग पूरा हो चुका है। परकोटे में भगवान शिव व गणेश के मंदिर को आकार दिया जा है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा 22 जनवरी को होगी। इस मौके पर बड़ी संख्या में विशिष्ट मेहमान आएंगे। अयोध्या महोत्सव में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र के अपमान का परिमार्जन है। हिंदुस्तान के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर की आयु 1000 साल की होगी। इसके निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर राष्ट्र का मंदिर है।

सीएम योगी बोले नो कर्फ्यू नो दंगा, यूपी में सब चंगा

अब कांवड़ यात्रा के साथ राम मंदिर का भी हो रहा निर्माण

लखनऊ (एजेन्सी)। जीरो टोरलेंस के साथ सरकार अपराधियों से सख्ती से निपटने का काम कर रही है। सख्ती की वजह से सुरक्षा का वातावरण बना। पहले हर दूसरे दिन राज्य में बड़े दंगे होते थे, महीनों महीनों कर्फ्यू लगा रहता था। अब उत्तर प्रदेश के बारे में लोग कहने के लिए मजबूर हैं, नो कर्फ्यू, नो दंगा, यूपी में सब चंगा। यह बात सीएम योगी आदित्यनाथ ने कही। नजीबाबाद की ग्राम पंचायत जालबपुर गुदड़ में भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधान की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए की। कहा कि महात्मा विदुर की इस पावन धरा को नमन करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा में आप सब का स्वागत करता हूं। बोले कि बिजनौर लखनऊ से जितनी दूर लगता है, मैं बिजनौर आने में नजदीक महसूस करता हूं। इसी का परिणाम है, बिजनौर तेजी से विकास की मुख्य धारा के साथ जुड़ते हुए पश्चिमी उत्तर प्रदेश का आदर्श जनपद बनने की ओर अग्रसर है। जब विकास होता है, तो उसका लाभ सबको प्राप्त होता है, नागरिकों के जीवन में परिवर्तन आता है। लेकिन विकास की पहली शर्त होती है सुरक्षा। हमारी संवेदना की संवेदना गरीब, नौजवान, किसान, बहन बेटियों की सुरक्षा, व्यापारियों की सुरक्षा के लिए है। हमारी संवेदना किसी माफिया या अपराधी के प्रति कतई नहीं है। जीरो टोरलेंस के साथ सरकार अपराधियों से सख्ती से निपटने का काम कर रही है। सवालिया लहजे में सीएम योगी बोले कि कांवड़ यात्रा शांति से निकल रही है न, बेटियां सकुशल स्कूल जा पा रहीं हैं न। कहा कि नजीबाबाद दिल्ली से जुड़ रहा है। कहा कि निर्माण होने के बाद गंगा एक्सप्रेस को मेरठ से हरिद्वार इसी रास्ते से ले जाएंगे। बिजनौर में सरकारी और प्राइवेट मेडिकल कॉलेज बन रहा है। विकास की प्रक्रिया के साथ जुड़ते हुए नया परिवर्तन है। परिवर्तन तब आता है जब सरकार और समाज मिलकर जातिवाद, परिवारवाद, मत और मजहब वाद से उठकर विकास और सुरक्षा, खुशहाली के लिए काम करते हैं। इसी का परिणाम है कि पिछले साढ़े नौ साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत देखने को मिल रहा है। आजादी के बाद 70 सालों तक लोग क्या कर रहे थे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नौ साल में चार करोड़ गरीबों को मकान दे दिए। कोरोना काल में नरेंद्र मोदी योजना बनाते थे प्रदेश सरकार प्रभावी ढंग से लागू करती थी। कोरोना काल में फ्री में वैक्सीन और इलाज मिला है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 15 करोड़ लोगों को राशन देने का काम किया। नजीबाबाद की ग्राम पंचायत जालबपुर गुदड़ में भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संबोधान की शुरुआत पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह को नमन करते हुए की। कहा कि महात्मा विदुर की इस पावन धरा को नमन करते हुए विकसित भारत संकल्प यात्रा में आप सब का स्वागत करता हूं। बोले कि बिजनौर लखनऊ से जितनी दूर लगता है, मैं बिजनौर आने में नजदीक महसूस करता हूं। इसी का परिणाम है।

लोकसभा चुनाव के लिए पीएम मोदी ने दिया 50 प्रतिशत का लक्ष्य

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कमरकस के तैयार हो चुकी है। भारतीय जनता पार्टी 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत हासिल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संगठन के नेताओं से पार्टी का वोट प्रतिशत बढ़ाने के लिए कहा है। लोकसभा चुनाव के लिए यह लक्ष्य रखा गया है कि भाजपा 50: से अधिक वोट शेयर हासिल करें। देशभर की लोकसभाओं को बांटा जाएगा जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा जनसभाओं को संबोधित करेंगे। लोकसभा चुनाव को लेकर बैठकों का दौर 15 जनवरी के बाद से शुरू होगा। पार्टी के युवा मोर्चा को भी सम्मेलन की शुरुआत करने के निर्देश मिले हैं, जो 24 जनवरी से आयोजित होंगे। देश भर में 5000 सम्मेलनों का आयोजन किया जाएगा। भारतीय जनता पार्टी लगातार इस कोशिश में जुटी हुई है कि उत्तर प्रदेश में यादव और जाटवों को अपने पक्ष में किया जाए। देश भर में सामाजिक सम्मेलनों के आयोजन के जरिए भी मतदाताओं को साधने की कोशिश की जाएगी। गौरतलब है कि विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव एलाइंस और भारतीय जनता पार्टी के बीच वर्ष 2024 में सीधी लड़ाई होने की संभावना है जिसे देखते हुए पार्टी ने फैसला किया है कि आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा के वोट प्रतिशत को 10: अधिक करने का लक्ष्य हासिल किया जाए। इसके साथ ही इस महत्वपूर्ण बैठक में यह फैसला लिया गया है कि पार्टी अधिक से अधिक नए मतदाताओं को अपने साथ जोड़े इसके लिए सम्मेलनों को अलग–अलग स्तर पर आयोजित किया जाए।

राहुल गांधी ने केंद्र सरकार पर फिर साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेन्सी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, लेकिन धान कुछ हाथों में केंद्रित हो रहा है और बेरोजगारी की चुनौती जारी है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों के साथ बातचीत में उनसे पिछले 10 वर्षों में भारत की आर्थिक वृद्धि के बारे में पूछा गया था। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि जब आप आर्थिक विकास की बात करते हैं तो आपको यह सवाल पूछना होगा कि आर्थिक विकास किसके हित में है। पूछने का प्रश्न यह है कि उस वृद्धि की प्रकृति क्या है और उससे किसे लाभ हो रहा है। भारत में विकास के आंकड़े के ठीक बगल में आपके पास भारत में बेरोजगारी का आंकड़ा है। उन्होंने कहा कि इसलिए भारत बढ़ रहा है, लेकिन जिस तरह से यह बढ़ रहा है वह बड़े पैमाने पर बहुत कम लोगों की ओर धन केंद्रित कर रहा है।

अयोध्या में एयरपोर्ट, रेलवे स्टेशन के उद्घाटन के साथ रोड शो करेंगे पीएम मोदी

अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर को अयोध्या के दौरे पर रहेंगे

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अयोध्या में आखिरकार भगवान राम का मंदिर बनकर तैयार हो गया है, जिसकी प्राण प्रतिष्ठा की तिथि भी नजदीक आ गई है। अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 30 दिसंबर को अयोध्या के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अयोध्या रेलवे स्टेशन का उद्घाटन भी करेंगे। अयोध्या दौरे के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या के लिए 3284. 60 करोड़ रुपए से अधिक की 29 नई परियोजनाओं की आधारशिला रखेंगे। यह सभी परियोजनाएं केंद्र और राज्य सरकार के विभागों से जुड़ी हुई है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, अयोध्या के आयुक्त गौरव दयाल ने कहा कि मोदी अपनी अयोध्या यात्रा के दौरान एक रोड शो और सार्वजनिक सभा भी करेंगे। गौरव दयाल ने पवित्र नगरी में किये जा रहे इंतजामों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि अस्पतालों में सभी सुविधाएं उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री इसकी समीक्षा भी कर रहे हैं। उच्च–स्तरीय सेवाओं के लिए, हम यहां से लखनऊ तक एक बैकअप योजना रखेंगे। पहले चरण में तैयार हो चुके एयरपोर्ट और रेलवे स्टेशन का उद्घाटन होने जा रहा है। अनुमान के मुताबिक, 22 जनवरी के बाद, लगभग 50,000–55,000 लोग प्रतिदिन अयोध्या आएंगे और प्रशासन उसी की तैयारी में व्यस्त है। पीएम रेल को हरी झंडी दिखाएंगे। उसके बाद पीएम मोदी एयरपोर्ट के बगल वाले ग्राउंड पर जनसभा को संबोधित करेंगे। वह एयरपोर्ट से रेलवे स्टेशन तक का सफर करेंगे तो यह रोड शो के रूप में होगा। उनके स्वागत के लिए व्यवस्था की जा रही है। बता दें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह तीसरा अयोध्या द्वारा होने वाला है। इससे पहले 5 अगस्त 2020 को मुख्य अतिथि के तौर पर उन्होंने राम मंदिर के शिलान्यास समारोह की अध्यक्षता की थी। इसके बाद दूसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अक्टूबर 2022 में अयोध्या में आयोजित हुए दीपोत्सव समझ में शामिल हुए थे। वहीं अब तीसरी बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अयोध्या जाने वाले हैं जिसे लेकर कई स्तर पर तैयारी भी की जा रही है। बता दें कि योगी आदित्यनाथ सरकार ने 22 जनवरी को अयोध्या में रामलीला की प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन करने का फैसला लिया है। इस आयोजन को लेकर 100 करोड रुपए का बजट भी आवंटित किया गया है जिसमें पूरे प्रदेश में समारोह की एक श्रृंखला का आयोजन किया जाना है। इस दौरान प्रदेश के 826 स्थानीय निकायों में मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

तिरुवनंतपुरम में हिंसा, कांग्रेस नेताओं के खिलाफ पुलिस ने दर्ज किया मामला

नई दिल्ली (एजेन्सी)। केरल पुलिस ने यहां पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के कार्यालय तक मार्च निकालने के दौरान हुई हिंसा के संबंध में कांग्रेस की राज्य इकाई के प्रमुख के. सुधाकरन, विधानसभा में विपक्ष के नेता वी.डी. सतीसन और पार्टी के वरिष्ठ नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में रविवार को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के प्रदर्शन के दौरान हिंसा हुई थी, जिसमें भीड़ को तितर–बितर करने के लिए पुलिस ने आंसू गैस के गोले छोड़े थे। घटना के बाद वरिष्ठ सांसदों और विधायकों सहित केरल के कई वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं ने दम घुटने की शिकायत की थी और कुछ को अस्पताल में भी भर्ती कराना पड़ा था। जिले के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को पीटीआई–को बताया कि प्रदर्शन में भाग लेने वाले सभी नेताओं और पार्टी कार्यकर्ताओं के खिलाफ दंगा करने, सड़कों को अवरुद्ध करने और लोक सेवकों को उनके कर्तव्यों का पालन करने से रोकने सहित भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) के विभिन्न प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया है।

जेएन 1 को लेकर रणदीप गुलेरिया ने दी खास जानकारी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारत में बीते एक सप्ताह से कोरोना वायरस संक्रमण के मामले में लगातार इजाफा देखने को मिल रहा है। कोरोनावायरस के एक नए सब वेरिएंट JN.1 को लेकर पूरे देश भर में गंभीर माहौल बना हुआ है। इस वेरिएंट को लेकर सतर्कता भी लगातार बरती जा रही है। वही इस वेरिएंट को लेकर एम्स के पूर्व निदेशक और वरिष्ठ पल्मोनोलॉजिस्ट डॉक्टर रणदीप गुलेरिया ने खास जानकारी शेयर की है। उन्होंने कहा है कि कोरोना का नया वेरिएंट अधिक संक्रामक है और यह तेजी से फैलने में सक्षम है। डॉ. रणदीप गुलेरिया ने बताया कि कोरोना का नया वेरिएंट काफी अधिक संक्रामक है और यह तेजी से फैल रहा है। इस नए वेरिएंट को लेकर जो डाटा अब तक सामने आया है ।

आतंकियों की कायराना हरकत, रिटायर्ड एसएसपी को मारी

सेवानिवृत्ति एसपी का नाम मोहम्मद शफी बताया जा रहा है, जिन्हें आतंकियों ने उसे समय गोली मारी जब वह मस्जिद में अजान दे रहे थे

जम्मू कश्मीर (एजेन्सी)। जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में एक घटिया हरकत को आतंकियों ने अंजाम दिया है। मस्जिद में नमाज पढ़ रहे एक रिटायर्ड एसएसपी की गोली मारकर आतंकियों ने हत्या कर दी। हत्या को अंजाम देने के बाद संदिग्ध आतंकी मौके से फरार हो गए हैं। सेवानिवृत्ति एसपी का नाम मोहम्मद शफी बताया जा रहा है, जिन्हें आतंकियों ने उसे समय गोली मारी जब वह मस्जिद में अजान दे रहे थे। गोली लगने के बाद एसपी घायल हुए और उनके बाद में मौत हो गई। आतंकी हमला होने के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की गिरा बंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया है। इस घटना के संबंध में कश्मीर जॉन पुलिस ने ट्वीट कर जानकारी दी कि आतंकियों ने गांटमुला, शीरी बारामूला के रहने वाले मोहम्मद शफी के ऊपर हमला किया था। रिटायर्ड एसएसपी पर गोलियां बरसाई गई थी। आतंकियों ने घटना को उस समय अंजाम दिया जब वो मस्जिद में अजान दे रहे थे। घटना के बाद गोली लगने के कारण उनकी मौत हो गई। घटना के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस का कहना है कि पूरे इलाके की घेराबंदी कर ली गई है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच में जुटी हुई है। फिलहाल रिटायर्ड एसएसपी पर हमला करने वाले आतंकियों की जानकारी सामने नहीं आई है। जम्मू कश्मीर में आतंकवादी हमले में पांच सैनिकों की शहादत के बाद सेना की पूछताछ में कथित तौर पर तीन लोगों की मौत से सीमावर्ती जिलों पुंछ और राजौरी में तनाव बढ़ गया, जिसके बाद सरकार ने तेजी से कदम उठाते हुये मृतकों के निकटतम परिजनों को मुआवजा और नौकरी देने की घोषणा की। अधिकारियों ने अफवाह फैलाने वालों को रोकने और किसी भी कानून–व्यवस्था की समस्या को रोकने के लिए एहतियात के तौर पर दोनों जिलों में मोबाइल इंटरनेट सेवाओं को निलंबित कर दिया है और स्थिति पर नजर रखने के लिए वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी इलाके में डेरा डाले हुए हैं। संघ शासित प्रदेश के जन संपर्क विभाग ने एक पोस्ट में 'एक्स' पर कहा, ''पुंछ जिले के बफलियाज में कल तीन लोगों के मारे जाने की खबर आयी। चिकित्सीय कानूनी औपचारिकताएं पूरी की जा चुकी है, और इस मामले में उचित प्राधिकारी द्वारा कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।'' इसमें कहा गया है, "मरने वाले सभी लोगों के लिये सरकार ने मुआवजे की घोषणा की है। इसके साथ ही सरकार ने मरने वाले के निकटतम परिजन को नौकरी देने का भी ऐलान किया है।'' पुंछ जिले में 27 से 42 वर्ष की आयु के तीन लोग रविवार को मृत पाए गए थे।

1000 साल होगी राम मंदिर की आयु, चंपत राय ने बताया - कैसे किया जा रहा राम मंदिर का निर्माण

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अयोध्या महोत्सव में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि राम मंदिर का निर्माण राष्ट्र के अपमान का परिमार्जन है। हिंदुस्तान के सम्मान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राम मंदिर की आयु 1000 साल की होगी। इसके निर्माण में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा गया है। अयोध्या में 3000 से अधिक राम मंदिर हैं। फिर भी निर्मोही अखाड़ा, दिगंबर अखाड़ा और साधु संत राम मंदिर के लिए लड़ाई लड़ते रहे क्योंकि अयोध्या भगवान श्रीराम का जन्म स्थान है और जन्मस्थान की अदला–बदली नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि राम मंदिर राष्ट्र का मंदिर है। राष्ट्र के सम्मान का मंदिर है। 10 करोड़ लोगों ने मंदिर निर्माण के लिए योगदान दिया है। राम मंदिर करोड़ो लोगों के परिश्रम से निर्मित हो रहा है। राम मंदिर की आयु 1000 साल बनाने की कोशिश की गई है। उन्होंने बताया कि जमीन में ऊपर कंक्रीट नहीं है। जमीन के नीचे लोहे का तार नहीं है। 14 मीटर गहरी आर्टिफिशियल रॉक बनाई गई है। सीमेंट का प्रयोग मात्र 2.5 प्रतिशत तक किया गया है। अब तक 21 लाख क्यूबिक पत्थर लग चुके हैं । हमने किसी विदेशी कंसल्टेंट की मदद नहीं ली है।

वाराणसी को मिली कई रेलवे परियोजनाओं की सौगात

नई दिल्ली (एजेन्सी)। उत्तर प्रदेश जो कि सांस्कृतिक विरासत और अध्यात्म की धरा है। प्रदेश की आध्यात्मिकता से सभी लोग परिचित हो सकें इस दिशा में निरंतर काम किया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और योगी आदित्यनाथ के साथ उत्तर प्रदेश विकसित भारत के संकल्प को पूरा कर रहा है।

आज का उत्तर प्रदेश भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के यशस्वी नेतृत्व में विकास की डबल इंजन सरकार के तहत रचे जा रहे आयामों की मिसाल पेश कर रहा है। आज गरीब कल्याण से लेकर अभूतपूर्व स्तर पर हो रहे इंफ्रास्ट्रक्चर निर्माण में रेलवे ने भी अहम रोल अदा किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का कहना है कि भारत कैसे बदल रहा है।

बर्फबारी से दिल्ली में बढ़ रही ठंड, 7.6 डिग्री दर्ज हुआ न्यूनतम तापमान

मौसम में बदलाव व हवा की गति कम होने से राजधानी में सांसों पर संकट गहरा गया है, लोग प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं

नई दिल्ली (एजेन्सी)। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के कारण राजधानी में ठंड बढ़ रही है। हालांकि, रविवार को दिल्ली का न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं, एक दिन पहले न्यूनतम तापमान 9.6 डिग्री सेल्सियस था, जो सामान्य से दो डिग्री अधिक रहा। कुछ इलाकों में न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री दर्ज किया गया। वहीं, औसत अधिकतम तापमान 24.4 डिग्री दर्ज किया गया जो यह सामान्य से चार डिग्री अधिक रहा। मुंगेशपुर में शनिवार न्यूनतम तापमान 8.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। जाफरपुर में 9.4, रिज में 9.5, लोधी रोड में 9.1 व आया नगर में 9.6 डिग्री सेल्सियस रहा, जबकि अधिकतम तापमान पूसा में 23.9, पीतमपुरा में 24.3 दर्ज किया गया। मौसम में बदलाव व हवा की गति कम होने से राजधानी में सांसों पर संकट गहरा गया है। स्मॉग व कोहरे की मोटी चादर से लोग प्रदूषित हवा में सांस लेने को मजबूर हैं। आंखों में जलन का भी लोगों को सामना करना पड़ रहा है। शनिवार को एनसीआर में दिल्ली की हवा सबसे अधिक प्रदूषित रही। वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 450 दर्ज किया गया, जो अति गंभीर श्रेणी है। इसमें शुक्रवार के मुकाबले 41 सूचकांक की वृद्धि दर्ज की गई। वजीरपुर, जहांगीरपुरी व मुंडका में एक्यूआई 500 के करीब दर्ज किया गया। वहीं, दिल्ली के अधिकतर इलाकों में एक्यूआई 400 के पार रहा। दोपहर में धूप निकलने के बाद भी स्मॉग से कोई राहत नहीं मिली। यही नहीं शाम को स्थिति और गंभीर हो गई। दिल्ली में समग्र रूप से हवा अति गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। कमोबेश मंगलवार को तक यही स्थिति बनी रहेगी। एनसीआर में दिल्ली के बाद नोएडा सर्वाधिक प्रदूषित रहा। विशेषज्ञों के अनुसार हवा की गति कम होने व स्थानीय कारक है जो प्रदूषण को बढ़ा रहे हैं। भारतीय उष्णदेशीय मौसम विज्ञान संस्थान (आईआईटीएम) के मुताबिक शनिवार को हवा दक्षिण–पूर्व दिशा की ओर से चली। इस दौरान हवा की गति चार किलोमीटर प्रतिघंटा रही। रविवार को हवा दक्षिण–पूर्व दिशा से चलने का अनुमान है। इस दौरान हवा की गति चार से आठ किलोमीटर प्रतिघंटा रहने के आसार हैं। वहीं, सुबह के समय धुंध व कोहरा छाने की आशंका है। ऐसे में हवा खराब श्रेणी में पहुंचेगी। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, दिल्ली में शनिवार को 32 इलाकों में हवा गंभीर श्रेणी में दर्ज की गई। इनमें वजीरपुर में सर्वाधिक एक्यूआई 489 रहा। रोहिणी व जहांगीरपुरी में 486, मुंडका में 485, पंजाबी बाग में 470, न्यू मोती बाग, बवाना व मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में 470 और सोनिया विहार में 468 एक्यूआई दर्ज किया गया।

बीजेपी की राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक में नेताओं को पीएम मोदी की सलाह

नई दिल्ली (एजेन्सी)। अगले लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा के राष्ट्रीय नेताओं को 2024 के आम चुनावों में 50 प्रतिशत से अधिक वोट हासिल करने का लक्ष्य रखने का निर्देश दिया है। नई दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय पदाधिकारियों की एक बंद कमरे में बैठक को संबोधित करते हुए, पीएम मोदी ने उनसे मिशन मोड में काम करने का आग्रह किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने 2019 में 303 सीटें जीतीं और अगर हम मिशन मोड पर काम करेंगे तो 2024 में और अधिक सीटें जीतेंगे। उन्होंने पार्टी के शीर्ष नेताओं को सोशल मीडिया पर आक्रामक तरीके से विचार व्यक्त करने और तथ्यों के साथ विपक्ष के नकारात्मक प्रचार का सकारात्मक जवाब देने की भी सलाह दी। आम चुनाव की रणनीतियों पर चर्चा के लिए बुलाई गई दो दिवसीय बैठक में राष्ट्रीय पदाधिकारियों, राज्य प्रभारियों, राज्य अध्यक्षों, राज्य महासचिवों और अन्य सभी शाखाओं के प्रमुखों ने भाग लिया। बैठक में केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लोकप्रिय बनाने और उनके बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा शुरू किए गए राष्ट्रव्यापी अभियान, विकसित भारत संकल्प यात्रा के आगे के संचालन पर भी चर्चा हुई।

सम्पादकीय

'दुर्घटनाएं' निवेश को फलने-फूलने से रोकती हैं

साल 2022 में नए साल के बाद हो रही पार्टी में हुई वह औपचारिक मुलाकात थी। उनकी बातचीत का कॉमन विषय पेंटिंग था। पेंटिंग्स के बारे में गहराई ही उन्हें करीब लाई। 52 वर्षीय पुनीत मदलनाल भाटिया और दूसरे शख्स एक वकील, पार्टी में दूसरों से घुलने–मिलने के बजाय आपस में ही बात करते रहे। वकील ने बाद में भाटिया का कुछ आर्ट डीलर से परिचय कराया, जिनके रईस और प्रसिद्ध लोगों से संपर्क थे। 13 जनवरी 2022 को वकील ने भाटिया को चंद पेंटिंग्स की तस्वीरें भेजीं और दावा किया कि ये प्रसिद्ध पेंटिंग्स 1970 के दशक की हैं। उसने और भी अच्छी पेंटिंग्स खोजने में मदद का वादा किया। दस दिन बाद वकील ने उन्हें फिर से एक पेंटिंग की तस्वीर भेजी, यह प्रसिद्ध चित्रकार मंजीत बावा की कृति थी और भाटिया से कहा कि यह पेंटिंग भोपाल के एक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी की है और वह इसे 6.75 करोड़ रुपए में बेचना चाहते हैं। चूंकि असली मालिक आईएएस थे, ऐसे में भाटिया को लगा कि तस्वीर असली ही होगी। बाद में वकील ने एफ.एन. सूजा की बनाई पेंटिंग की तस्वीरें भेजी, जिसकी कीमत 1.75 करोड़ बताई। उन चित्रों को ए प्लस बताते हुए वकील ने भाटिया को उन्हें खरीदने पर जोर दिया। बिना कोई जल्दबाजी दिखाए 30 जनवरी 2022 को वकील ने भाटिया से आरटीजीएस के जरिए आर्ट डीलर को पैसे ट्रांसफर करने के लिए कहा, क्योंकि उसे मप्र जाकर पेंटिंग खरीदनी थी। मार्च और अप्रैल 2022 के बीच वो दोनों पेंटिंग्स भाटिया के गुड़गांव वाले पते पर डिलीवर हो गईं। संबंधित दस्तावेज भी उनके हवाले कर दिए गए। इसके बाद उन्होंने 17.9 करोड़ रुपये में नौ और पेंटिंग्स का सौदा किया, लेकिन पता चला कि सभी 11 पेंटिंग नकली थीं। इस हफ्ते प्रकाश में आए इस घटनाक्रम की मुख्य बात यह है कि भाटिया पिछले 15 सालों से एक केपिटल इन्वेस्टमेंट कंपनी में इन्वेस्टमेंट बैंकर हैं। हम जैसे मध्यवर्गीय लोग तो यह तक नहीं जानते कि कलाकृतियों की खरीद–फरोख्त शेयर मार्केट में ट्रेडिंग जैसी है, जो कभी–कभी सोने से भी ज्यादा मुनाफा देती है। जहां भी जल्दी पैसा मिलता है, बदमाश आ ही जाते हैं। और कला का बाजार अपवाद नहीं। चूंकि ठीक–ठाक निवेश के साथ कला की दुनिया मुनाफे वाला सौदा है, ऐसे में नकली बाजार भी फल–फूल रहा है, यह कुछ वैसा ही है जैसे भारत के आर्थिक उछाल के मद्देनजर शेल कंपनियां कैसे सफेदपोश अपराधियों के लिए आदर्श बन गईं हैं। जो लोग नामी चित्रकारों जैसे एम. एफ. हुसैन या वी. एस. गायतोंडे की पेंटिंग्स को अपने घरों की दीवारों पर लगाना चाहते हैं, वे यह जाने बिना कि हर असली तस्वीर की सैकड़ों नकली प्रतियां भी हैं, उन्हें लेने के लिए पागल हो जाते हैं। साल 2009 में मशहूर कलाकार सैयद हैदर रजा अपनी बनाई पेंटिंग्स की दिल्ली की धूमिमल गैलरी में आयोजित प्रदर्शनी में गए और तब 86 वर्षीय चित्रकार यह देखकर चौंक गए कि वहां प्रदर्शित कई कलाकृतियां नकली थीं! पुलिस का कहना है कि 'नकली कलाकृति की एफआईआर एक होती है लेकिन सैकड़ों लोग ऐसे भी हैं जो जालसाजी रिपोर्ट ही नहीं करते।' मतलब लोग असली मानकर पेंटिंग्स खरीद लेते हैं, बाद में नकली पता चलने पर भी चुप रहते हैं। वे यह जताते रहते हैं कि यह असली है क्योंकि पेशेवर लोगों को छोड़कर आप और मुझे जैसे आम लोगों के लिए इनमें फर्क करना मुश्किल है। भाटिया जैसे चंद लोग ही सामने आकर एफआईआर कराते हैं। कई कला निवेशकों को एहसास ही नहीं है कि जीवित कलाकारों की कलाकृतियों में निवेश एक सुरक्षित दांव है क्योंकि उनकी कृतियों की प्रमाणिकता साबित करना ज्यादा आसान है।

सांसदों का निलंबन यानी लोगों की आवाज बंद कर देना!

इन पंक्तियों के लेखक को 14 दिसम्बर, 2023 को एक नोटिस प्रस्तुत करने, 'संसद में राष्ट्रीय सुरक्षा के गंभीर उल्लंघन' पर गृह मंत्री से एक बयान देने की मांग करने और चर्चा का आग्रह करने के लिए संसद से निलंबित कर दिया गया था! तब से यह स्तम्भकार 'मौन व्रत' (साइलेंट प्रोटेस्ट) पर है! 9 दिनों तक स्वयं पर थोपे गए इस मौन के बाद यह स्तम्भकार की ओर से पहला बयान है। कोई टिप्पणी नहीं, सिर्फ तथ्य! 14 दिसम्बर को दोपहर बारह बजे पहले सांसद को निलंबित कर दिया गया। इन पंक्तियों के प्रेस में जाने तक 145 और सांसदों को संसद के दोनों सदनों से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में इसे समझने के लिए इस पर विचार करें– कांग्रेसनीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए1 और यूपीए2) की सरकार के 10 वर्षों के समूचे कार्यकाल में लगभग कुल 50 सांसदों को ही संसद से निलंबित किया गया था। एक त्वरित गणना से पता चलता है कि लोकसभा से निलंबित हुए 100 संसद सदस्य 15 करोड़ से भी अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं राज्यसभा से निलंबित किए गए 46 सांसद लगभग 19 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरे शब्दों में, 34 करोड़ लोगों (देश की लगभग 25 प्रतिशत आबादी) की आवाज दबा दी गई है! 146 निलंबित सांसदों की राज्यवार सूची और वे कितने मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसे देखने पर पता चलता है कि असम से तीन सांसदों को निलंबित किया गया है, जो 83 लाख मतदाताओं के जनप्रतिनिधि हैं। बिहार के 3.7 करोड़ मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों को प्रतिबंधित किया गया है।
गोवा और हिमाचल प्रदेश राज्यों से एक–एक सांसद सस्पेंड हुए, वे क्रमशरू 6 और 13 लाख मतदाताओं के प्रतिनिधि हैं। गुजरात के 1.2 करोड़ मतदाताओं के प्रतिनिधि तीन सांसद भी निलंबित कर दिए गए हैं। जम्मू और कश्मीर से 40 लाख मतदाताओं के प्रतिनिधि तीन सांसद निलंबित हुए हैं। इसी तरह झारखंड (50 लाख मतदाता), कर्नाटक (1.95 करोड़ मतदाता), केरल (4.4 करोड़ मतदाता), लक्षद्वीप (55 हजार मतदाता), मध्य प्रदेश (62 लाख मतदाता), महाराष्ट्र (2.3 करोड़ मतदाता), राजस्थान (2.2 करोड़ मतदाता) के सांसदों की आवाज भी अब खामोश करा दी गई है। निलंबित होने वाले सांसदों में ओडिशा (14.3 लाख मतदाता), पुडुचेरी (9.7 लाख मतदाता), पंजाब (1.1 करोड़ मतदाता), तमिलनाडु (6 करोड़ मतदाता), उत्तर प्रदेश (1.5 करोड़ मतदाता), पश्चिम बंगाल (5.8 करोड़ मतदाता) के जनप्रतिनिधि भी शामिल हैं। इन सबकी आवाज अब संसद के जरिए देशवासियों तक नहीं पहुंच सकेगी! 9 दिनों तक स्वयं पर थोपे गए इस मौन के बाद यह स्तम्भकार की ओर से पहला बयान है। कोई टिप्पणी नहीं, सिर्फ तथ्य! 14 दिसम्बर को दोपहर बारह बजे पहले सांसद को निलंबित कर दिया गया। इन पंक्तियों के प्रेस में जाने तक 145 और सांसदों को संसद के दोनों सदनों से प्रतिबंधित कर दिया गया है। ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य में इसे समझने के लिए इस पर विचार करें– कांग्रेसनीत संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए1 और यूपीए2) की सरकार के 10 वर्षों के समूचे कार्यकाल में लगभग कुल 50 सांसदों को ही संसद से निलंबित किया गया था। एक त्वरित गणना से पता चलता है कि लोकसभा से निलंबित हुए 100 संसद सदस्य 15 करोड़ से भी अधिक लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं, वहीं राज्यसभा से निलंबित किए गए 46 सांसद लगभग 19 करोड़ लोगों का प्रतिनिधित्व करते हैं। दूसरे शब्दों में, 34 करोड़ लोगों (देश की लगभग 25 प्रतिशत आबादी) की आवाज दबा दी गई है! 146 निलंबित सांसदों की राज्यवार सूची और वे कितने मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करते हैं, इसे देखने पर पता चलता है कि असम से तीन सांसदों को निलंबित किया गया है, जो 83 लाख मतदाताओं के जनप्रतिनिधि हैं। बिहार के 3.7 करोड़ मतदाताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले सांसदों को प्रतिबंधित किया गया है। गोवा और हिमाचल प्रदेश राज्यों से एक–एक सांसद सस्पेंड हुए, वे क्रमशरू 6 और 13 लाख मतदाताओं के प्रतिनिधि हैं। गुजरात के 1.2 करोड़ मतदाताओं के प्रतिनिधि तीन सांसद भी निलंबित कर दिए गए हैं। जम्मू और कश्मीर से 40 लाख मतदाताओं के प्रतिनिधि तीन सांसद निलंबित हुए हैं। इसी तरह झारखंड (50 लाख मतदाता), कर्नाटक (1.95 करोड़ मतदाता), केरल (4.4 करोड़ मतदाता), लक्षद्वीप (55 हजार मतदाता), मध्य प्रदेश (62 लाख मतदाता), महाराष्ट्र (2.3 करोड़ मतदाता), राजस्थान (2.2 करोड़ मतदाता) के सांसदों की आवाज भी अब खामोश करा दी गई है। निलंबित होने वाले सांसदों में ओडिशा (14.3 लाख मतदाता), पुडुचेरी (9.7 लाख मतदाता),।

चिकित्सा के पवित्र पेशे का यह हश्र, कभी सोचा नहीं था

तस्लीमा नसरीन

भारत से बाहर विकसित देशों तक में भारतीय डॉक्टर इतने सफल हैं, तो इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी पेशेवर दक्षता ही है। यह अलग बात है कि पिछले साल के एक भीषण व्यक्तिगत अनुभव के बाद मेरी यह धारणा कुछ हद तक खंडित हुई है कि सभी भारतीय चिकित्सक अच्छे और अपने पेशे के प्रति ईमानदार ही होते हैं। इसके अलावा भी डॉक्टरों द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी की खबरें बीच–बीच में आती रहती हैं। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश के एक सरकारी अस्पताल के एक विख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ को गिरफ्तार कर लिया गया। उनका जुर्म यह था कि उन्होंने कुल छह सौ मरीजों के शरीर में नकली और खराब पेसमेकर लगाए थे। पता यह चला कि जिन लोगों को पेसमेकर की जरूरत नहीं थी, उनके शरीर में भी जबरन पेसमेकर लगाए गए थे। इनमें से अनेक लोगों की या तो मृत्यु हो गई, या फिर वे शारीरिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसा उन्होंने क्यों किया भला? क्योंकि उन्हें टारगेट पूरा करना था। जाहिर है, ऐसा उन्होंने पैसा कमाने के लिए ही किया।

भारतीय डॉक्टरों की पेशेवर दक्षता पर मुझे इतना विश्वास है कि बांग्लादेश में गंभीर बीमारियों से ग्रस्त मेरे दोस्तों–रिश्तेदारों को भारत आकर इलाज कराने के लिए कहती हूं। मेरे जो परिचित दूसरे देशों में हैं, उनसे भी कहती हूं कि शरीर की जांच या बीमारी के इलाज की अगर जरूरत पड़े, तो अस्पतालों में भारतीय चिकित्सकों को तरजीह दें। मैं भी जब अमेरिका जाती हूं और चिकित्सीय जांच की जरूरत पड़ती है, तब अस्पतालों में पता करती हूं कि भारतीय डॉक्टर हैं या नहीं। अगर भारतीय डॉक्टर होते हैं, तो श्वेत अमेरिकियों को दरकिनार कर भारतीय डॉक्टर से सलाह लेती हूं। भारत से बाहर भारतीय चिकित्सकों पर मुझे इतना भरोसा क्यों है? इसका कारण क्या यह है कि हमारा इतिहास एक है? इसकी वजह क्या यह है कि एक ही उपमहाद्वीप का हिस्सा होने के कारण हम निकटता महसूस करते हैं? ये सब कारण तो हैं ही, लेकिन असल कारण यह है कि पेशेवर दक्षता की कसौटी पर भारतीय डॉक्टर दूसरे देशों के डॉक्टरों से बहुत आगे हैं। भारतीय युवा मुश्किल प्रतियोगिताओं में बैठकर और पास होकर मेडिकल में दाखिला लेते हैं, फिर कठिन परीक्षा पास कर डॉक्टर बनते हैं। भारत से बाहर विकसित देशों तक में भारतीय डॉक्टर इतने सफल हैं, तो इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी पेशेवर दक्षता ही है। यह अलग बात है कि पिछले साल के एक भीषण व्यक्तिगत अनुभव के बाद मेरी यह धारणा कुछ हद तक खंडित हुई है कि सभी भारतीय चिकित्सक अच्छे और अपने पेशे के प्रति ईमानदार ही होते हैं। इसके अलावा भी डॉक्टरों द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी की खबरें बीच–बीच में आती रहती हैं। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश के एक सरकारी अस्पताल के एक विख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ को गिरफ्तार कर लिया गया। उनका जुर्म यह था कि उन्होंने कुल छह सौ मरीजों के शरीर में नकली और खराब पेसमेकर लगाए थे। पता यह चला कि जिन लोगों को पेसमेकर की जरूरत नहीं थी, उनके शरीर में भी जबरन पेसमेकर लगाए गए थे। इनमें से अनेक लोगों की या तो मृत्यु हो गई, या फिर वे शारीरिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसा उन्होंने क्यों किया भला? क्योंकि उन्हें टारगेट पूरा करना था। जाहिर है, ऐसा उन्होंने पैसा कमाने के लिए ही किया। एक आंकड़ा बताता है कि भारत में 44 फीसदी ऑपरेशन गैरजरूरी होते हैं। यानी जहां सर्जरी की जरूरत नहीं है, वहां भी सर्जरी की जाती है। भारत में दिल के 55 फीसदी, गर्भाशय के 48 प्रतिशत, कैंसर के 47 प्रतिशत, घुटना प्रत्यारोपण के 48 फीसदी और 47 प्रतिशत सिजेरियन ऑपरेशन ऐसे ही होते हैं, जिनकी जरूरत नहीं है। अस्पतालों का कॉरपोरेटीकरण हो चुका है, इसी कारण बड़ी संख्या में सर्जरी की जरूरत है। ज्यादातर अस्पताल अब लोगों के स्वास्थ्य और मरीजों की सेवा के लिए नहीं हैं। खासकर अधिकतर निजी अस्पताल अधिक से अधिक मुनाफा कमाने के लिए हैं। ज्यादातर निजी अस्पतालों में जितने डॉक्टर और नर्स हैं, उनसे भी ज्यादा वहां अस्पतालों का मुनाफा बढ़ाने वाले लोग होते हैं। सर्जनों को वहां मोटा वेतन अमूमन दिया ही इसलिए जाता है कि वे बड़ी संख्या में सर्जरी करेंगे और अस्पतालों की आमदनी बढ़ाएंगे। मैंने मेडिकल की पढ़ाई की है, इसलिए डॉक्टरों को सेवा का उद्देश्य भूलकर सिर्फ पैसे के पीछे भागते देखना मुझे दुखद लगता है। मेडिकल कॉलेज से निकलने वाले नए डॉक्टरों को अपने पेशे के प्रति ईमानदार बने रहने की शपथ लेनी पड़ती है। इसे हिपोक्रेटिज की शपथ कहते हैं। प्राचीन यूनान के चिकित्सक हिपोक्रेटिज के नाम पर इस शपथ की शुरुआत ईसा पूर्व पांचवीं सदी में हुई थी। यह शपथ इस तरह है रू शकिसी मरीज का नुकसान नहीं करूंगा। रोगी की बेहतरी के लिए तमाम उपाय अपनाऊंगा। दूसरे चिकित्सकों को अपना परिवार समझूंगा और निरूस्वार्थ भाव से उनकी चिकित्सा और सेवा करूंगा। घुटने पर चोट लगने के कारण जिस दिन मैं नई दिल्ली स्थित एक बड़े और नामचीन निजी अस्पताल में गई थी, उस दिन चिकित्सक के साथ मैं एक मरीज भी थी। लेकिन उस अस्पताल के डॉक्टर ने सिर्फ टारगेट पूरा करने के लिए, केवल पैसे के लिए मेरा हिप जॉयंट काटकर अलग कर, उसकी जगह घटिया इम्प्लांट लगाकर मुझे बर्बाद कर दिया। डॉक्टर होते हुए भी उस दिन वह हिपोक्रेटिज की शपथ भूल गए थे। सिर्फ कल्पना ही की जा सकती है कि रोज अपने पेशे में लगे डॉक्टर कितनी बार हिपोक्रेटिज की शपथ भूलते होंगे। मानो अपने मुनाफे के लिए गैरजरूरी सर्जरी कर देना ही कम बड़ा अपराध न हो, अपना झूठ छिपाने के लिए अस्पताल प्रबंधन ने मुझे झूठी रिपोर्ट सौंपकर और भी बड़ा अपराध किया। चूंकि मैं डॉक्टर रह चुकी हूं, इसलिए उनका झूठ पकड़ पाने में सफल हुई। जबकि रोज असंख्य लोग चिकित्सा की दुनिया में व्याप्त इस फर्जीवाड़े का शिकार होते होंगे। उस व्यक्तिगत त्रासदी के आठ महीने से ज्यादा हो गए, आज भी मेरे लिए वह दुरूस्वप्न सरीखा है। मैं पहले की तरह स्वस्थ और स्वाभाविक जीवन में नहीं लौट पाई। मैं वर्कआउट नहीं कर पाती। ऐसे में, कितने दिन स्वस्थ रह पाऊंगी, इसकी गारंटी नहीं है, क्योंकि इससे आने वाले दिनों में मुझमें डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की जटिलताएं बढ़ जाएंगी। जिस भी दिन यह इम्प्लांट टूट जाएगा, उस दिन व्हील चेयर के अलावा मेरे पास चलने का कोई और विकल्प नहीं रह जाएगा। चिकित्सा के क्षेत्र में व्याप्त यह दुष्प्रवृत्ति हालांकि पहले भी मुझे चिंतित, विचलित करती थी। पर व्यक्तिगत अनुभव के बाद मेरी चिंता कहीं और बढ़ गई है, जिसमें मेरे अपने जीवन की चिंता भी शामिल है। कुछेक डॉक्टरों की कारस्तानियों को देखते हुए अब चिकित्सकों पर मेरा भरोसा पहले की तरह नहीं रहा। कॉरपोरेट संस्कृति ने चिकित्सा के पवित्र पेशे को जैसे मुनाफे के व्यापार में बदल दिया है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जब मरीजों की मृत्यु हो जाने के बावजूद उनके परिजनों से ज्यादा पैसे लेने के लिए शव को वेंटिलेटर से नहीं हटाया जाता। ऐसे भी उदाहरण हैं, जब पैसा न होने पर शवों को अस्पतालों से नहीं ले जाने दिया जाता। डॉक्टर पिता के सान्निध्य में बड़े होते हुए मैंने कभी सोचा नहीं था कि इस पेशे का यह हश्र होगा। भारत से बाहर विकसित देशों तक में भारतीय डॉक्टर इतने सफल हैं, तो इसकी सबसे बड़ी वजह उनकी पेशेवर दक्षता ही है। यह अलग बात है कि पिछले साल के एक भीषण व्यक्तिगत अनुभव के बाद मेरी यह धारणा कुछ हद तक खंडित हुई है कि सभी भारतीय चिकित्सक अच्छे और अपने पेशे के प्रति ईमानदार ही होते हैं। इसके अलावा भी डॉक्टरों द्वारा की जाने वाली धोखाधड़ी की खबरें बीच–बीच में आती रहती हैं। कुछ समय पहले उत्तर प्रदेश के एक सरकारी अस्पताल के एक विख्यात हृदयरोग विशेषज्ञ को गिरफ्तार कर लिया गया। उनका जुर्म यह था कि उन्होंने कुल छह सौ मरीजों के शरीर में नकली और खराब पेसमेकर लगाए थे। पता यह चला कि जिन लोगों को पेसमेकर की जरूरत नहीं थी, उनके शरीर में भी जबरन पेसमेकर लगाए गए थे। इनमें से अनेक लोगों की या तो मृत्यु हो गई, या फिर वे शारीरिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसा उन्होंने क्यों किया भला? क्योंकि उन्हें टारगेट पूरा करना था। जाहिर है, ऐसा उन्होंने पैसा कमाने के लिए ही किया। एक आंकड़ा बताता है कि भारत में 44 फीसदी ऑपरेशन गैरजरूरी होते हैं। यानी जहां सर्जरी की जरूरत नहीं है, वहां भी सर्जरी की जाती है। भारत में दिल के 55 फीसदी, गर्भाशय के 48 प्रतिशत, कैंसर के 47 प्रतिशत, घुटना प्रत्यारोपण के 48 फीसदी और 47 प्रतिशत सिजेरियन ऑपरेशन ऐसे ही होते हैं, जिनकी जरूरत नहीं है। अस्पतालों का कॉरपोरेटीकरण हो चुका है, इसी कारण बड़ी संख्या में सर्जरी की जरूरत है। ज्यादातर अस्पताल अब लोगों के स्वास्थ्य और मरीजों की सेवा के लिए नहीं हैं। खासकर अधिकतर निजी अस्पताल अधिक से अधिक मुनाफा कमाने के लिए हैं। ज्यादातर निजी अस्पतालों में जितने डॉक्टर और नर्स हैं, उनसे भी ज्यादा वहां अस्पतालों का मुनाफा बढ़ाने वाले लोग होते हैं। सर्जनों को वहां मोटा वेतन अमूमन दिया ही इसलिए जाता है कि वे बड़ी संख्या में सर्जरी करेंगे और अस्पतालों की आमदनी बढ़ाएंगे। मैंने मेडिकल की पढ़ाई की है, इसलिए डॉक्टरों को सेवा का उद्देश्य भूलकर सिर्फ पैसे के पीछे भागते देखना मुझे दुखद लगता है। मेडिकल कॉलेज से निकलने वाले नए डॉक्टरों को अपने पेशे के प्रति ईमानदार बने रहने की शपथ लेनी पड़ती है। इसे हिपोक्रेटिज की शपथ कहते हैं। प्राचीन यूनान के चिकित्सक हिपोक्रेटिज के नाम पर इस शपथ की शुरुआत ईसा पूर्व पांचवीं सदी में हुई थी। यह शपथ इस तरह है रू शकिसी मरीज का नुकसान नहीं करूंगा।

देश हित को प्राथमिकता दे रहे मतदाता

वह अब आर्थिक विकास के नकली दंभ को बिल्कुल भी नहीं रखना चाहता। कारण एक ही है कि 75 वर्ष के इस आजाद मुल्क की तकरीबन तीन पीढ़ियों का आर्थिक संघर्ष उसके जीवन में आज भी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जिस पर हमें गर्व है, पर यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि चुनावों के दौरान प्रत्येक मतदाता पर आने वाली लागत उसके प्रतिदिन के आर्थिक जीवन स्तर की लागत से तुलनात्मक रूप से दोगुनी रहती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रति मतदाता लागत तकरीबन आठ डॉलर थी, जबकि उस चुनाव से चार वर्ष बाद भी देश में प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन के हिसाब से करीब तीन डॉलर या मात्र 250 रुपये के लगभग ही थी।

पीएस वोहरा

इन दिनों प्रत्येक भारतीय हर चुनाव में खुलकर भागीदारी कर रहा है तथा अपने मुल्क के लिए हर सूबे में एक बड़े बहुमत के साथ सरकार चुन रहा है। अब वह चुनावों के आर्थिक बोझ को अपने आर्थिक विकास में एक बहुत बड़ी बाधा मानता है, इसी कारण खंडित जनादेश भारतीय लोकतंत्र से लगभग खत्म होता जा रहा है। वह अब आर्थिक विकास के नकली दंभ को बिल्कुल भी नहीं रखना चाहता। कारण एक ही है कि 75 वर्ष के इस आजाद मुल्क की तकरीबन तीन पीढ़ियों का आर्थिक संघर्ष उसके जीवन में आज भी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जिस पर हमें गर्व है, पर यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि चुनावों के दौरान प्रत्येक मतदाता पर आने वाली लागत उसके प्रतिदिन के आर्थिक जीवन स्तर की लागत से तुलनात्मक रूप से दोगुनी रहती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रति मतदाता लागत तकरीबन आठ डॉलर थी, जबकि उस चुनाव से चार वर्ष बाद भी देश में प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन के हिसाब से करीब तीन डॉलर या मात्र 250 रुपये के लगभग ही थी। यह आंकड़ा इस बात को स्पष्ट करता है कि भारतीय चुनाव बहुत महंगे होते जा रहे हैं और इनकी आर्थिक लागत अंततः वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते आम नागरिक के विकास में बाधा के रूप में सामने आती है। अब समय आ गया है, जब इस बात पर भी गौर किया जाए कि यदि पिछले 75 वर्षों में एक आम भारतीय का जीवन आर्थिक रूप से बहुत अधिक समृद्ध नहीं हुआ है, तो इस संदर्भ में कुछ समस्याओं का जिक्र अमूमन होता है, मसलन, जनसंख्या में बढ़ोतरी, लगातार बेरोजगारी, बढ़ी हुई महंगाई, कृषि क्षेत्र पर अधिक निर्भरता व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी।

पर अब, इन सब में देश के विभिन्न चुनावी खर्चों को भी क्यों न शामिल किया जाए? देश के पहले आम चुनाव में प्रति मतदाता चुनाव लागत 60 पैसे थी, जो वर्ष 2004 में 17 रुपये हो गई। यह लागत वर्ष 1985 तक दो रुपये प्रति मतदाता रही। यहां यह जिक्र करना भी आवश्यक है कि वर्ष 1952 के पहले आम चुनाव के दौरान देश में कुल मतदाताओं की संख्या तकरीबन 17 करोड़ के आसपास थी, जो 2019 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर करीब 90 करोड़ हो गई। यानी आजादी के बाद से पिछले 17 आम चुनावों में मतदाताओं की संख्या पांच गुना से अधिक बढ़ी है, जबकि उन पर आने वाली चुनावी लागत उससे बहुत अधिक रही। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, 2019 में हुए चुनाव पर कुल 55,000 करोड़ रुपये का खर्च आया था, जबकि वर्ष 1952 के पहले आम चुनाव में यह लागत करीब 11 करोड़ थी। हैरानी की बात यह भी है कि 2019 का आम चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की लागत से भी ज्यादा महंगा था। बीते दिनों जब पांच राज्यों के चुनावों का परिणाम आया, तो यह बात एक बार फिर से देखने को मिली कि किसी भी राज्य में खंडित जनादेश नहीं था। दूसरी बात यह कि आम आदमी के विकास के संबंध में बनाई गई योजनाओं को, जिन्हें चाहे लोक–लुभावन योजनाएं या श्रेवड़िया बांटनेश जैसे मुहावरों से जोड़ा जाए, जनता का समर्थन मिला, तो इसका मतलब है कि आम व्यक्ति बुनियादी ढांचे के विकास के इतर भी अपने व्यक्तिगत जीवन में कुछ सुविधाएं चाहता है। चुनाव में मतदाता आर्थिक सोच से ही प्रभावित होता है, न कि किसी अन्य उद्देश्य या नैरेटिव से। इसमें भी दो राय नहीं है कि आर्थिक रूप से सजग रहने के बावजूद एक आम मतदाता चुनावों में हर बार धोखा खाता है। ऐसा न हो कि लगातार बढ़ रही जीडीपी को आम व्यक्ति अपने आर्थिक विकास का मुख्य आधार मानने लगे और अमीरी–गरीबों के बीच खाई लगातार बढ़ती चली जाए। यह बात और अधिक दर्द देती है, जब पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बावजूद प्रति व्यक्ति आय में बढ़ोतरी के लिए हम 2047 तक की समय सीमा निश्चित करते हैं और यह सपना देखते हैं कि आजादी के सौवें वर्ष में तो हम विकसित मुल्क बन जाएंगे। इसलिए लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को चुनावों के दौरान आर्थिक नीतियों पर अपना रुख विश्लेषित करना होगा। आम मतदाता को भी अपने आर्थिक अधिकारों के लिए अधिक सजग रहना होगा, जैसे वह चुनावों के आर्थिक बोझ को समझने लगा है, जिसके चलते वह अपनी व्यक्तिगत पसंद को दरकिनार करके देश हित को प्राथमिकता दे रहा है। वह अब आर्थिक विकास के नकली दंभ को बिल्कुल भी नहीं रखना चाहता। कारण एक ही है कि 75 वर्ष के इस आजाद मुल्क की तकरीबन तीन पीढ़ियों का आर्थिक संघर्ष उसके जीवन में आज भी है। भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है, जिस पर हमें गर्व है, पर यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि चुनावों के दौरान प्रत्येक मतदाता पर आने वाली लागत उसके प्रतिदिन के आर्थिक जीवन स्तर की लागत से तुलनात्मक रूप से दोगुनी रहती है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान प्रति मतदाता लागत तकरीबन आठ डॉलर थी, जबकि उस चुनाव से चार वर्ष बाद भी देश में प्रति व्यक्ति आय प्रतिदिन के हिसाब से करीब तीन डॉलर या मात्र 250 रुपये के लगभग ही थी। यह आंकड़ा इस बात को स्पष्ट करता है कि भारतीय चुनाव बहुत महंगे होते जा रहे हैं और इनकी आर्थिक लागत अंततः वित्तीय संसाधनों की कमी के चलते आम नागरिक के विकास में बाधा के रूप में सामने आती है। अब समय आ गया है, जब इस बात पर भी गौर किया जाए कि यदि पिछले 75 वर्षों में एक आम भारतीय का जीवन आर्थिक रूप से बहुत अधिक समृद्ध नहीं हुआ है, तो इस संदर्भ में कुछ समस्याओं का जिक्र अमूमन होता है, मसलन, जनसंख्या में बढ़ोतरी, लगातार बेरोजगारी, बढ़ी हुई महंगाई, कृषि क्षेत्र पर अधिक निर्भरता व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी। पर अब, इन सब में देश के विभिन्न चुनावी खर्चों को भी क्यों न शामिल किया जाए? देश के पहले आम चुनाव में प्रति मतदाता चुनाव लागत 60 पैसे थी, जो वर्ष 2004 में 17 रुपये हो गई। यह लागत वर्ष 1985 तक दो रुपये प्रति मतदाता रही। यहां यह जिक्र करना भी आवश्यक है कि वर्ष 1952 के पहले आम चुनाव के दौरान देश में कुल मतदाताओं की संख्या तकरीबन 17 करोड़ के आसपास थी, जो 2019 के लोकसभा चुनाव में बढ़कर करीब 90 करोड़ हो गई। यानी आजादी के बाद से पिछले 17 आम चुनावों में मतदाताओं की संख्या पांच गुना से अधिक बढ़ी है, जबकि उन पर आने वाली चुनावी लागत उससे बहुत अधिक रही। विभिन्न रिपोर्टों के मुताबिक, 2019 में हुए चुनाव पर कुल 55,000 करोड़ रुपये का खर्च आया था, जबकि वर्ष 1952 के पहले आम चुनाव में यह लागत करीब 11 करोड़ थी। हैरानी की बात यह भी है कि 2019 का आम चुनाव अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव की लागत से भी ज्यादा महंगा था।

वर्तमान में भगवद् गीता की प्रासंगिकता

गीता जयंती, 5100 साल पहले अद्भुत ज्ञान, भगवद् गीता के प्रकट होने के उपलक्ष्य में मनाया जाने वाला एक विशेष उत्सव है। भगवद् गीता हमारे जीवन का कालजयी एवं शाश्वत सत्य है। सत्य का न तो कभी जन्म हुआ और न ही इसका अंत होता है, किंतु हम इस दिन को सूत्रों के रूप में दिए गए इस कालातीत ज्ञान पर विचार करने, इसे समझने और आत्मसात करने के एक अच्छे अवसर के रूप में लेते हैं। भौतिक जगत में डूबने वालों के लिए, भगवद् गीता के श्लोक, उस रस्सी के समान हैं जो आपको किनारे तक ले जाती है। इसलिए भगवद गीता को बार–बार पढ़ते रहें और स्मरण करते रहें। यह जान लें कि आप दिन के प्रत्येक क्षण में जिस ज्ञान को जी रहे हैं, वह भगवद गीता है। दुनिया में दो तरह के लोग हैं– एक तो वे लोग जो निष्क्रिय हैं और दूसरे वे जो आक्रामक हैं। जो लोग बहुत निष्क्रिय होते हैं वे किसी भी चीज में शामिल नहीं होते हैं और जो लोग बहुत आक्रामक होते हैं। वे जो चाहते हैं उसे प्राप्त करने के लिए कुछ भी कर सकते हैं। देर–सवेर दोनों के हाथ खाली ही मिलते हैं। तो फिर सही दृष्टिकोण क्या होना चाहिए? क्या हमें निष्क्रिय होना चाहिए या आक्रामक होना चाहिए? गीता दोनों में से किसी की भी वकालत नहीं करती। यह कहती है, व्यक्ति को श्शांति के साथ गतिशीलताश रखनी चाहिए। यह एक ही समय में गतिशील और शांत रहने की शिक्षा देती है। वह शांति, जो सक्रिय है, वही किसी भी समस्या के प्रति सही दृष्टिकोण रखने में सहायक होगी। भगवद् गीता आज भी उतनी ही प्रासंगिक है जितनी कई युगों पहले थी। श्योग्यताश शब्द श्योगश से आया है। श्जब अस्तित्व के साथ गहराई से मिलन होता है, तब आप वास्तव में एक मनुष्य बनने के योग्य होते हैं।श किसी भी कार्य को करने के लिए, आपको इस कार्य के साथ एकीकृत होने की आवश्यकता है। आपको ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है। आपको रोगों से मुक्त रहने की आवश्यकता है। आपको अपने आस–पास क्या हो रहा है, इसके विषय में जागरूक रहने की आवश्यकता है। श्योगश हमारे भीतर गहरी शांति लाता है और श्कर्मयोग' गतिविधियों में गतिशीलता लाता है। आज समाज में जिम्मेदारी लेने की आवश्यकता है– यही श्कर्मयोग' है। श्कर्मयोग' का अर्थ है श्कर्म को पूरी जिम्मेदारी के साथ करनाश। एक व्यक्ति वही कार्य कर्मयोग या अयोग में कर सकता है। उदाहरण के लिए, एक शिक्षक जब वह बच्चों में रुचि लेता है तब वह श्कर्मयोगीश हो सकता है, लेकिन अगर शिक्षक की रुचि केवल हर महीने की पहली तारीख को मिलने वाले वेतन में है, तो वह श्कर्मयोगीश नहीं है। इसी तरह, आप एक पिता या मां, बेटी या बेटे, पति या पत्नी किसी भी भूमिका में श्कर्मयोगीश हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, एक श्कर्मयोगीश पिता वास्तव में अपने बच्चे के जीवन में रुचि लेता है, वह अपने बच्चे के मन को समझता है। उसका बेटे या बेटी किस दिशा में जा रहे हैं, उनकी रुचियां क्या हैं, इन सभी विषयों पर ध्यान देता है। मन जहां भी जाता है उसे कुशलतापूर्वक वापस ले आओ।श मन से लड़ो मत! यह बिल्कुल अपने बच्चों को घर वापस लाने जैसा है। यह वैसा ही है, जैसे यदि आप किसी छात्र या किशोर से कुछ न करने के लिए कहें, तो वे वही करना चाहेंगे। आपका मन एक किशोर की तरह है जिसे आप अपने साथ लेकर घूम रहे हैं और यह परिपक्व नहीं हुआ है। यह ऐसा कुछ भी नहीं करना चाहता जिसे आप इसे करने के लिए कहें, तो आप इसे घर वापस कैसे लाएंगे?– कुशलता से! यदि आप भगवद् गीता को आरंभ से अंत तक पढ़ेंगे तो पाएंगे कि इसमें कितने विरोधाभास हैं! कृष्ण ने अर्जुन के सामने विरोधी तर्क रखकर उसे पूरी तरह भ्रमित कर दिया है। कई लोगों ने इनमें श्समन्वयश लाने का प्रयत्न किया है, अर्थात उन्होंने विरोधाभास को समाप्त करने की कोशिश की है, किंतु मेरा विचार भिन्न है। आपको इन विरोधाभासों को मिटाने का प्रयत्न नहीं करना चाहिए। सत्य विरोधाभास में ही प्रकट हो सकता है। सत्य सदैव विरोधाभासी होता है। उदाहरण के लिए किसी विशेष स्थान पर जाने के लिए, आप कह सकते हैंरू श्दाएं जाओ और बाएं मुड़ोश या श्दाएं जाओ और दाएं मुड़ोश। दोनों सही हो सकते हैं। यह श्गोलाकार सोचश है, जो धर्मशास्त्र या दर्शन की दुनिया के लिए सबसे बड़ा उपहार है। यह दुनिया के किसी अन्य भाग में मौजूद नहीं है। उदाहरण के लिए, पश्चिम में लोग इस बात पर भ्रमित हैं और सोच रहे हैं, श्यदि ईश्वर सर्वव्यापी है, तो शैतान को कहां स्थान दिया जा सकता है?श आप शैतान को श्रखश नहीं सकते। यदि आप ऐसा करते हैं, तो ईश्वर सर्वव्यापी नहीं है !

वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए किसी भी हद तक जाने का प्रतीक है : पुष्पराज सिंह

युवा उनके बलिदान से बहुत कुछ सीख सकते हैं विकसित भारत बनाने में योगदान दे सकते हैं: गिरीश चन्द्र यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी के जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव के संयोजकत्व मे कोतवाली चौराहे पर से वीर बाल दिवस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रभात फेरी निकाली गई। जो कोतवाली से चलकर चहारसू चौराहा, सद्भावना पुल से होते हुये ओलन्दगंज के गुरुद्वारा पर पहुंची उसके उपरान्त जेसीज होते हुये रासमण्डल स्थित श्री गुरु तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारे पर समाप्त हुई जिसमें स्कूल के बच्चों ने बढ़चढ़कर भाग लिया और भारत माता कि जय और वंदेमातरम के नारे लगाते हुये चल रहे थे। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पार्टी के मुखिया जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह गिरीश चन्द्र यादव उपस्थित रहे। उन्होंने वीर बाल दिवस के मौके पर सिख गुरु गोबिंद सिंह, उनके पुत्रों और पत्नी माता गुजरी को नमन किया।

जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने कहा कि वीर बाल दिवस के मौके पर मैं गुरु गोबिंद जी के चार साहिबजादों और माता गुजरी जी को नमन करता हूं उन्होंने पूरे साहस के साथ वे क्रूर मुगल शासन के खिलाफ खड़े हुए और धर्म परिवर्तन को इनकार करते हुए शहादत को चुना उनकी ये अतुलनीय वीरता आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करती रहेगी। पिछले वर्ष देश ने पहली बार 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के तौर पर मनाया था तब पूरे देश में सभी ने भाव विभोर होकर साहिबजादों की वीर गाथाओं को सुना था। वीर बाल दिवस भारतीयता की रक्षा के लिए कुछ भी कर गुजरने के संकल्प का प्रतीक है। ये दिन हमें याद दिलाता है कि शौर्य की पराकाष्ठा के समय कम आयु मायने नहीं रखती।

राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि आज देश ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया में वीर बाल दिवस मनाया जा रहा है साहिबजादों को नमन किया जा रहा है युवा उनके बलिदान से बहुत कुछ सीख सकते हैं विकसित भारत बनाने में योगदान दे सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदीजी ने सिखों के 10वें गुरु गोबिंद सिंह के दोनों छोटे बेटों बाबा जोरावर सिंह और बाबा फतेह सिंह के बलिदान को याद करने के लिए हर वर्ष 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस के रूप में मनाने का ऐलान किया था।

जिला महामंत्री अमित श्रीवास्तव ने कहा कि आज देश वीर साहिबजादों के अमर बलिदान को याद कर रहा है, उनसे प्रेरणा ले रहा है। आजादी के अमृतकाल में वीर बाल दिवस के रूप में एक नया अध्याय प्रारंभ हुआ है। मुझे खुशी है कि वीर बाल दिवस अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मनाया जाने लगा है। ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात और ग्रीस में भी वीर बाल दिवस से जुड़े कार्यक्रम हो रहे हैं। भारत के वीर साहिबजादों को पूरी दुनिया और ज्यादा जानेगी।

उक्त कार्यक्रम में तप स्थान श्री गुरु तेग बहादुर साहिब गुरुद्वारा रास मंडल जौनपुर के मुख्य ग्रंथि ज्ञानी जिओ पाल सिंह सह संयोजक सरदार सतवंत सिंह, नगर पालिका परिषद जौनपुर प्रतिनिधि डॉ राम सूरत मौर्य, सभासद नंद लाल, संतोष मौर्य सतीश सिंह त्यागी, अनिल गुप्ता पिछड़ा मोर्चा अध्यक्ष हैप्पी श्रीवास्तव उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी के सदस्य सरदार जसविंदर सिंह श्री गुरु सिंह सभा जौनपुर के अध्यक्ष सरदार तेजा सिंह, उपाध्यक्ष सरदार हरविंदर सिंह, महासचिव सरदार गुरविंदर सिंह सतनाम, सरदार गुरमीत सिंह, सरदार हरचरण सिंह होरा, सरदार परमजीत सिंह, सरदार रणजीत सिंह सोनू, सरदार शुभविंदर सिंह नमन, सरदार अमरजीत सिंह, सरदार नवनीत सिंह, सरदार सतनाम सिंह, सरदार रणवीर सिंह, सरदार हरभजन सिंह, सरदार ग्रेटी सिंह, सतीश वाधवा, ऋषि कपूर, सरदार अमनदीप सिंह, सरदार शिशुपाल सिंह, सरदार गुरवीर सिंह एडवोकेट एवं बड़ी संख्या में सिख श्रद्धालु उपस्थित रहे।

खेलकूद से होता है बच्चों का सर्वागीण विकास- राजेश पुष्पांकर

तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता उमंग का शुभारंभ

सुजानगंज– बच्चों को शिक्षा के साथ खेलकूद प्रतियोगिताओं में अपनी सहभागिता निभानी चाहिए क्योंकि खेलकूद से ही बच्चों का सर्वांगीण विकास होता है उक्त बातें जे0पी0 इंटरनेशनल स्कूल, सुजानगंज में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता उमंग का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि यूनियन बैंक आफ इंडिया, सुजानगंज के शाखा प्रबंधक राजेश पुष्पांकर ने कही। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि ने मशाल जलाकर तथा सरस्वती प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण कर किया। उमंग प्रतियोगिता के प्रथम दिन100 मीटर दौड़ बालक वर्ग में प्रथम आदित्य , द्वितीय ओम पांडेय, तृतीय अर्पित, बालिका वर्ग में प्रथम निकिता, द्वितीय रोशनी, तृतीय आरोही, 200 मीटर दौड़ बालक वर्ग में प्रथम कुणाल, द्वितीय सिद्धांत, तृतीय धीरज, बालिका वर्ग में प्रथम अंकित, द्वितीय साक्षी, तृतीय अंशु, 400 मीटर रिले रेस बालक वर्ग में प्रथम प्रियांशू, द्वितीय अंकित, तृतीय अगम, बालिका वर्ग में प्रथम नैंसी सिंह, द्वितीय आयुषी, तृतीय श्रेया, मैथ रेस बालक वर्ग में प्रथम आयूष, द्वितीय विभू, तृतीय प्रांजल, बालिका वर्ग में प्रथम आरुषी, द्वितीय अनामिका, तृतीय अचला कीर्ती ने प्राप्त किया। छोटे बच्चों का खेल बड़ा ही सुंदर एवं रोमांचकारी रहा। जिसमें फाग रेस, एप्पल रेस, बैलेंस रेस आदि खेलों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत विद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व प्रधानाध यापक लाल बिहारी तिवारी ने किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में शेषधर तिवारी एवं प्रभाकर मणि तिवारी उपस्थित रहे। आये हुए अतिथियों का आभार विद्यालय के प्रधानाचार्या निशा किरण उपाध्याय ने किया। कार्यक्रम का संचालन विवेक मिश्रा ने किया। इस अवसर पर अभिभावक एवं विद्यालय के प्राध्यापक गण उपस्थित रहे।

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

प्रतियोगिता से छात्र/छात्राओं का होघ्ता है बौद्धिक विकास : डीआईओएस

संस्थापक की स्मृघति में वाद-विवाद प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। नगर के रजा डी.एम. शिया इण्टर कॉलेज के संस्थापक सैय्यद मोहम्मद मोहसिन साहब की स्मृति में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन मंगलवार को विद्यालय के ऑडिटोरियम में सम्पन्न हुआ। इस मौके पर जनपद के तमाम छात्रध छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता का विषय शनिजीकरण देश के विकास में सहायक हैश घ्रहा जिसके पक्ष एवं विपक्ष में छात्रध्छात्राओं ने अपना पक्ष प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में जनपद के सरजू देवी इण्टर कालेज, कमला नेहरू इण्टर कालेज, मिर्जा अनवर बेग इण्टर कालेज, जनक कुमारी इण्टर कालेज, राजा श्रीकृष्ण दत्त इण्टर कालेज, मीना रिजवी गर्ल्स इण्टर कालेज, तारा कान्वेंट इण्टर कालेज, सेण्ट जेफर्स स्कूल, मुक्तेश्वर प्रसाद बालिका इण्टर कालेज, साजिदा गर्ल्स इण्टर कालेज ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि राजीव रंजन मिश्र जिला विद्यालय निरीक्षक एवं विशिष्ट अतिथि डॉ पी0सी0 विश्वकर्मा पूर्व डीन विधि ा संकाय वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल जौनपुर रहे। विद्यालय के प्रबंधक नजमुल हसन श्नजमीश की अध्यक्षता में हुई प्रतियोगिता के लिये निर्णायक मण्डल में सैय्यद मोहम्मद हसन नसीम पूर्व प्रधानाचार्य रजा डीवएमव इण्टर कालेज, भैय्या लाल यादव पूर्व प्रधानाचार्य गोवर्धन इण्टर कालेज एवं प्रमोद सिंह प्रधानाचार्य सहकारी इण्टर कालेज मेहरावां रहे। कार्यक्रम के प्रारम्भ में आये समस्त अतिथियों ने सैय्यद मोव मोहसिन के चित्र पर माल्यार्पण किया।

इस अवसर पर जिला विद्यालय निरीक्षक राजीव रंजन मिश्र ने कहा कि ष्इस प्रकार के आयोजन से छात्रध छात्राओं का बौद्धिक विकास होता है। जिले में सभी विद्यालयों में इस प्रकार का आयोजन कराया जाना चाहिए जिससे बच्चों का आत्मविश्वास जागृत हो सके। इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि डॉ पीसी विश्वकर्मा ने कहा कि ष्वाद–विवाद प्रतियोगिता द्वारा बच्चों में चिन्तन शक्ति पैदा होती है। ऐसे आयोजन देश की ऊर्जा का सदुपयोग करने में सहायक होते हैं। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों में क्रमशः ओम चौरसिया (सेण्ट जेफर्स स्कूल), पूर्वी श्रीवास्तव (रजा डीएम शिया इण्टर कालेज), अनिका वसीम (साजिदा गर्ल्स इण्टर कालेज) रहे।

अन्त में प्रबन्धक सैय्यद नजमुल हसन श्नजमीश ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया तो प्रधानाचार्य डॉ सैय्यद अलमदार हुसैन ने प्रतिभागियों एवं निर्णायक मण्डल के सदस्यों तथा मुख्य एवं विशिष्ट अतिथि के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में सैय्यद जाकिर नसीम वास्ती अध्यक्ष साहित्यिक समिति, नागेन्द्र यादव, एजाज मेंहदी, मो. अब्बास, डा. हाशिम खां, फैजान हसन, साजिद अब्बास, अन्सार हुसैन, आजम खां, अजगर मेंहदी, मो. रजा, जमीरूल हसन, जोएब हसन, मुजम्मिल, हरेन्द्र यादव, नबी हैदर, मुदस्सिर इकबाल, वीएन पाण्डेय, अंजुम सईद, आमिर मेंहदी सहित समस्त शैक्षिक स्टाफ ने अपना योगदान दिया। कार्यक्रम का संचालन सैय्यद हसन सईद ने किया।

अनुशासन शत-प्रतिशत सफलता की गारंटी देता है:- प्रोफेसर (डॉ) अखिलेश्वर शुक्ला

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कॉलेज जौनपुर के पुरातन छात्रों का सम्मान समारोह। परिश्रम ही सफलता की कुंजी हैष्यह उद्बबोधन डां सत्यराम प्रजापति प्रबंधक ने राजा श्री कृष्ण दत्त इंटर कॉलेज के पूर्व छात्रों श्री मनीष मिश्रा बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा चयनित अध्यापक एवं अभिषेक कुमार मिश्रा सिविल जज उत्तरांचल के सम्मान समारोह में कहा। इस समारोह की अध्यक्षता राजा श्री कृष्ण दत्त पीजी कॉलेज के (पूर्व प्राचार्य)प्रोफेसर डॉक्टर अखिलेश्वर शुक्ला जी ने किया तथा छात्राओं को मनीष मिश्रा और अभिषेक मिश्रा से प्रेरणा लेने के लिए कहा डॉक्टर संजय चौबे ने दोनों पूर्व छात्रों का सम्मान करते हुए सभी छात्रों से कहा कि समय मूल्यवान है जो छात्र समय का सदुपयोग सही दिशा में करता है तथा अनुशासित रहकर गुरुजनों की बातों का अक्षरसरू अनुकरण करता है वह निश्चित ही सफलता प्राप्त करता है जिससे वह अपने माता–पिता और गुरुजनों का नाम रोशन करता है एवं उप प्रबंधक श्री जियाराम यादव ने माल्यार्पण कर पूर्व छात्रों का सम्मान किया ।इस अवसर पर अशोक कुमार तिवारी अंजनी कुमार श्रीवास्तव प्रेमचंद डॉक्टर अशोक मिश्रा संतलाल राम प्रताप डॉ बृजेश कुमार सिंह डॉक्टर रमेश सिंह डॉक्टर नागेंद्र प्रसाद यादव ओम प्रकाश सिंह संजय कुमार सिंह राजमणि यादव सुभाष यादव आनंद तिवारी सूरज कुमार रवि प्रकाश सिंह अनिल यादव अखिलेश मौर्या श्रवण पांडे प्रदीप यादव मुकेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर विश्वनाथ यादव ने किया।

ठंड में जरूरतमंद को गुरुक्षेत्र फाउंडेशन ने बाटे कंबल

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। हट्टा स्थित गुरुक्षेत्र फाउंडेशन कार्यालय में सोमवार को पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती के शुभ अवसर पर कंबल वितरण समारोह का आयोजन किया । जिसमें मुख्य अतिथि समाजसेविका अंजू पाठक, विशिष्ट अतिथि क्षेत्राधिकारी सदर संत प्रसाद उपाध्याय, संस्थापक आलोक उपाध्याय और वरिष्ठ अधि ावक्ता टीएन सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम की शुरुआत की इस दौरान ट्रस्ट संरक्षक इंद्रदमन उपाध्याय ने अतिथि को अंगवस्त्र और पुष्पगुच्छ देकर भेंट किया तत्पश्चात कंबल वितरण किया । कंबल लेने के लिए कई गांव और मुहल्ले से काफी संख्या में जरूरतमंद बुजुर्ग और दिव्यांग पहुंचे थे । ठंड में कंबल मिलते ही गरीबों के चेहरे खिल उठे ।

अध्यक्ष विमलेश उपाध्याय ने कहा कि गुरुक्षेत्र फाउंडेशन का सपना है कि गरीबों को उनका हक मिले और कोई भी गरीब संस्था द्वारा संचालित जन–कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहे । सचिव शुभम चतुर्वेदी ने कहा कि गुरूक्षेत्र फाउंडेशन द्वारा गरीब, विधवा और दिव्यांगों में ठंड से राहत के लिए पूरे प्रदेश में कम्बल वितरण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है और प्रदेश में फाउंडेशन की ओर से 2500 कंबल वितरित करने का लक्ष्य है । सदर क्षेत्राधिकारी संत प्रसाद उपाध्याय ने कहा कि ठंड से बचाव के लिए जरूरतमंद को ट्रस्ट की ओर से कंबल वितरित किए गए जिसे पाकर जरूरतमंद के चेहरे खिल उठे जिसके लिए हम संस्था का धन्यवाद करते हैं। इस दौरान सहसंरक्षक जयप्रकाश उपाध्याय, कोषाध्यक्ष ज्ञानती देवी, उपाध्यक्ष राजेश उपाध्याय, प्रदेश प्रभारी अनुपम उपाध्याय, बृजेश उपाध्याय, आंचल विश्वकर्मा, वंदना सिंह, संध्या चौबे, पूर्व प्रधान रामराज सिंह, गोरखनाथ उपाध्याय, अमित गुप्ता, शोभनाथ मिश्रा, सत्यम सिंह, अतुल मिश्रा आदि लोग मौजूद रहे।

वीर बाल दिवस भारत भूमि और उसके नागरिकों के लिए गर्व का दिवस है : शंकर लाल लोधी

देश आज गुलामी की दासता से बाहर निकल रहा है आत्मनिर्भर बन रहा है : नितिन अग्रवाल

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)। भारतीय जनता पार्टी के तत्वाधान में श्रीशचंद्र बरात घर में वीर बाल दिवस के अवसर पर साहब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज और उनके पुत्रों बाबा जोरावर सिंह जी और बाबा फतेह सिंह जी की शहादत पर समर्पित बौद्धिक गोष्ठी का आयोजन हुआ। गोष्ठी में मुख्य अतिथि आबकारी एवं मद्य निषेध मंत्री नितिन अग्रवाल और विशिष्ट अतिथि प्रदेश मंत्री जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने शहीद वीरों के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। गोष्ठी में बोलते हुए आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि सिख समुदाय भारतीय संस्कृति और धर्म का सिरमौर है। गुरुनानक देव जी ने भारत भूमि और धर्म की रक्षा के लिए सिख पंथ की आधार शिला रखी थी। यह वह समय था जब विदेशी मुगल आक्रांताओं ने भारत की भूमि पर लूट पाट और धर्म परिवर्तन के मकसद से खून की नदिया बहा दी थी। मुगलों के बढ़ते जुल्म को रोकने के लिए गुरु गोबिंद सिंह जी और उनके साहबजादों ने उनसे लोहा लेते हुए शहादत को प्राप्त हुए। सिख पंथ का इतिहास शहादत की विलक्षण किस्सों से सराबोर है, लेकिन विश्व की किसी सभ्यता में ऐसी शहादत नहीं हुई, जिसमें छोटे छोटे बालकों ने धर्म और मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों को हंसते हुए अर्पण कर दिए।

वीर बाल दिवस का आयोजन होना देश और आज की युवा पीढ़ी के लिए स्वर्णिम इतिहास पर गर्वित होने का विषय है। अफसोस होता है कि पूर्व की सरकारों ने हमारे इतिहास को युवा पीढ़ी से छुपा कर रखा। देश आज गुलामी की दासता से बाहर निकल रहा है। आत्मनिर्भर बन रहा है। सभी धर्मों और वर्गों के समाज को विकास की भागीदारी में बराबर का मौका मिल रहा है। आबकारी मंत्री ने कहा कि देश और प्रदेश में वीर बाल दिवस देश और प्रदेश में धूम धाम से मनाया जा रहा है। पिछले साल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर 26 दिसंबर को वीर बाल दिवस मनाने की शुरुआत हुई। उन्होंने कहा कि साहबजादों की कुर्बानी पर आयोजित यह दिवस जनता को जागरूक करेगी, उन्हे भी अपने मंगल इतिहास को जानने का मौका मिलेगा। गोष्ठी में जिला प्रभारी शंकर लाल लोधी ने सिख पंथ को हिंदू धर्म का बड़ा भाई कहते हुए कहा कि वीर बाल दिवस भारत भूमि और उसके नागरिकों के लिए गर्व का दिवस है। अब तक गुरु गोबिंद सिंह जी महाराज और उनके साहबजादों की शहादत का इतिहास सिर्फ खालसा पंथ तक सीमित था पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस पुण्य घोषणा से अब यह इतिहास देश के हर व्यक्ति तक पहुंचेगा और उसे जानकर वैभवशाली इतिहास पर गर्व होगा। उन्होंने पूर्व की सरकारों को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि सत्तर साल तक देश के गौरवशाली इतिहास को मिटाने का काम किया गया। सत्तर सालों में सत्ता पर काबिज राजनैतिक दलों ने तुष्टिकरण और वोट बैंक की राजनीति ने देश और संस्कृति को ध्वस्त करने का काम किया। सत्तर सालों की कांग्रेस की गलतियों को देश और उसकी मौजूदा पीढ़ी ने भुगता है। लेकिन इस पीढ़ी ने ही देश को बदलने का प्रण लेने वाले नेता और मौजूदा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर विश्वास किया। समाज सेवी सरदार जोगिंदर सिंह गांधी ने गोष्ठी में सिख समाज की तरफ से भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री का ध न्यवाद किया कि समुदाय के गौरवशाली इतिहास को देश के कोने कोने तक पहुंचने का पुण्य कार्य किया गया।

बौद्धिक संगोष्ठी को नगर पालिका अध्यक्ष सुखसागर मिश्र सरदार हरदीप सिंह ने भी संबोधित किया संचालन कार्यक्रम के संयोजक युमो अध्यक्ष आकाश सिंह ने किया।

प्रमुख रूप से जिला उपाध्यक्ष प्रीतेश दीक्षित जिला महामंत्री अनुराग मिश्रा जिला मंत्री अविनाश पांडे जिला मीडिया प्रभारी गांगेश पाठक से मीडिया प्रभारी परेश गुप्ता महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष अलका गुप्ता अविनाश मिश्रा अनुराधा मिश्रा नगर अध्यक्ष अजीत उपाध्याय सरदार रूपेंद्र सिंह विंसी गुरुद्वारा कमेटी के अध्यक्ष बलकार सिंह सरदार रणजीत सिंह प्रधान नवाब सिंह हरदीप सिंह गुरचरण सिंह मौजूद रहे।

अयोध्या से आये अक्षत के साथ पाली में निकली भव्य कलश यात्रा

ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव

'पाली(हरदोई)' श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट अयोध्या से भिजवाये गये पीताम्बर रंग के अक्षत(चावल) के साथ पाली में भव्य कलश शोभा यात्रा निकाली गई। हरदोई से शुरू हुई भव्य कलश यात्रा बावन ,सवायजपुर,रूपापुर होते हुए पाली के पंथवारी देवी मंदिर तक पहुंची। जहाँ मंदिर में कलश को फूल माला अर्पित कर आरती पूजन किया गया। आपको बता दें कि अयोध्या के भगवान श्रीराम मंदिर में भगवान श्रीराम की प्राण प्रतिष्ठा में निमंत्रण हेतु पूजित अक्षत कलश यात्रा हरदोई से बावन, सवायजपुर, रूपापुर होते हुए पाली के माता पंतवारी मंदिर प्रांगण में पहुंची। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रशांत कुमार के द्वारा कलश का विधिविधान सेआरती पूजन किया गया। तत्पश्चात सम्पूर्ण पंतवारी मंदिर की परिक्रमा कर श्रीराम भक्तों द्वारा अक्षत कलश का पुष्प मालाओं से भव्य स्वागत सम्मान किया गया। इसके बाद अक्षत कलश को श्रीराम ताल, भरखनी के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर पाली शाहाबाद मुख्य मार्ग व पाली नगर समेत माता पंतवारी मंदिर प्रांगण श्रीराम के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर नगर के सभी गणमान्य व श्रीराम भक्तजन मौजूद रहे। इस सुअवसर पर जिला प्रचारक आरएसएस शुभम, विनायक, दीपक गुप्ता नगर भाजपा के कार्यकर्ता आदि मौजूद रहे।

प्राण प्रतिष्ठा के दिन अयोध्या के लिए उड़ेंगे १०० विमान

लखनऊ (संवाददाता)। रामलला के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में 22 जनवरी को बड़ी संख्या में विशिष्ट मेहमान चार्टर्ड प्लेन से आएंगे। इस दिन 100 से ज्यादा विमान रामनगरी आने की संभावना जताई जा रही है। ऐसे में यहां मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम अंतराष्ट्रीय हवाई अड्डे और अब तक बनाए गए तीन हेलीपैड पर इन्हें उतारे जाने में समस्या आ सकती है। इसके लिए प्रशासन ने वाराणसी, प्रयागराज और गोरखपुर में भी वैकल्पिक इंतजाम करने शुरू कर दिए हैं। चार्टर्ड प्लेन की संख्या बढ़ी तो उन्हें इन तीन शहरों के हेलीपैड पर उतरवाने का बंदोबस्त कर मेहमानों को सड़क मार्ग से रामजन्मभूमि तक लाने का प्रबंध किया जाएगा। कमिश्नर गौरव दयाल ने शनिवार को बताया कि इसके लिए एयरपोर्ट अथॉरिटी से समन्वय कर आवश्यक इंतजाम किए जा रहे हैं। वैसे भी पिछले दिनों मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने यहां समीक्षा बैठक में बताया था कि करीब 100 विमान 22 जनवरी को आ सकते हैं। ऐसे में प्रशासन सभी संभावनाओं पर विचार कर रहा है।

सनातन विरोधी, पश्चिमी विचारों और असभ्यता का गठबंधन है, आई.एन.डी.आई.ए. : मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई (अंबरीष कुमार सक्सेना)

वर्ष –2024 में लोकसभा चुनावों को लेकर सभी राजनैतिक दलों ने अपनी कमर कस ली है और तैयारियों को अंतिम रूप देने में लग गये हैं। प्रधानमंत्री नरेंद मोदी के नेतृत्व में सत्तारूढ़ एन.डी.ए. गठबंधन जहां बेहद आक्रामक ढंग से अपनी तैयारी में जुट गया है वहीं विपक्ष भी आई. एन.डी.आई.ए. बनाकर चुनावी घमासान करने के लिए तैयार हो चुका है। वर्ष 2023 में हुए कुल नौ राज्यों के विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को हिमाचल, कर्नाटक व तेलंगाना में विजय प्राप्त हुई है और कांग्रेस अपने सहयोगी दलों के साथ मिलकर चुनाव लड़ने को लेकर काफी उत्साहित है हालांकि इस महागठबंधन में कई पेंच इतनी बुरी तरह से उलझ गये हैं कि सुलझना कठिन होता जा रहा है।

भाजपा जहाँ राम मंदिर, सनातन संस्कृति के उत्थान और विकसित भारत संकल्प यात्रा के बल पर लागातर आगे बढ़ती जा रही है वहीं दूसरी ओर आई.एन.डी.आई. गठबंधन की भी अब तक चार बैठकें हो चुकी हैं यद्यपि अभी तक इसके संयोजक का नाम तक तय नहीं हो पाया है तथापि 19 दिसंबर को आयोजित बैठक में कांग्रेस ने गठबंधन में शामिल दलों से सीट साझा करने पर चर्चा करने के लिए एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन कर दिया है और गठबंधन नेता दावा कर रहे हैं कि आगामी 20 दिनों में सीटों के बंटवारे का फार्मूला तय हो जायेगा।

जब दो राज्यों हिमाचल व कर्नाटक में कांग्रेस को सफलता मिली तब कुछ विश्लेषकों को ऐसा लगने लगा कि प्रधानमंत्री नरेंद मोदी का जादू उतरने लगा है और कांग्रेस के नेतृत्व में संपूर्ण विपक्ष के मन में आआशा का एक नया संचार हुआ है किंतु राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ तथा मिजोरम में भी कांग्रेस व उसके सहयोगी दलों की पराजय के बाद स्थितियां त पूरी तरह से बदल चुकी हैं। मध्यप्रदेश, राजस्थान व छत्तीसगढ़ में ऐतिहासिक विजय के बाद भारतीय जनता पार्टी ने तीनों राज्यों में सफलतापूर्वक नेतृत्व परिवर्तन भी कर दिया जिससे सभी राजनैतिक विश्लेषक व सूत्रों के आधार पर समाचार चलाने वाले बड़े – बड़े एंकर व पत्रकारों तक हैरान रह गए और विरोधी दलों की राजनीति में भी हड़कंप मच गया।

आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में बन रहे भव्य राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयेजन होने जा रहा है। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थक्षेत्र ट्रस्ट ने इसके लिए श्रीमती सोनिया गांधी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, मल्लिकार्जुन खड़गे, वामपंथी नेता सीताराम येचुरी सहित कई विपक्षी नेताओं को भी समारोह का निमंत्रण पत्र भेजकर कई राजनैतिक निशाने साध दिये हैं। अगर आई.एन.डी.आई. गठबंधन के नेता रामलला मंदिर के उद्घाटन समारोह में नहीं जाते हैं तो यह हिंदू तथा सनातन विरोधी सिद्ध हो जायेंगे किन्तु चले गये तो इनके मुस्लिम वोटबैंक छिटकने का खतरा पैदा हो जायेगा।

अगर विरोधी दलों के नेता समारोह में नहीं जाते है तो भारतीय जनता पार्टी व समस्त हिंदू संगठन आसानी से इन दलों पर हमलावर हो जायेंगे और इनकी विकृत विचारधारा पर तीखे हमले करके इन सभी दलों के नेताओं को नकली हिंदू साबित करेंगे और यह सभी दल बहुत आसानी से रामद्रोही सिद्ध हो जायेंगे। सर्वाधिक समस्या उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी को होने जा रही है क्योंकि रामभक्त कारसेवकों पर गोली चलवाकर ही मुलायम ने मुसलमानों को अपना बनाया था और मुस्लिम यादव गठजोड़ से सत्ता पाई थी अब अगर उनके पुत्र और सपा नेता अखिलेश यादव समारोह में चले जाते हैं तो उनके एम वाई समीकरण को गहरा आघात लगना तय है।

अभी जब राम मंदिर निर्माण के लिए समर्पण अभियान चलाया जा रहा था तब सपा नेताओं ने संघ व भाजपा को चंदाजीवी कहकर अपमानित किया था और आम आदमी पार्टी ने दो कदम आगे जाकर रामजन्मभूमितीर्थ क्षेत्र के चंपत राय जी पर जमीन घोटाले के फर्जी आरोप लगा दिये थे जबकि वास्तविकता यह है कि आज आप के सभी बड़े प्रमुख नेता मनीष सिसौदिया,संजय सिंह व सुरेंद जैन जेल की सलाखों के पीछे हैं जबकि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल जो शराब घोटाले के मुख्य किरदार हैं वह अपनी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार–बार भाग रहे हैं। अयोध्या में भगवान राम का मंदिर न बन पाये इसके लिए कांग्रेस ने पूरी ताकत लगा रखी थी।आई.एन.डी.आई. गठबंधन में शामिल सभी दल व नेता हिंदू सनातन संस्कृति, भारतीय सभ्यता व संस्कृति, भाषा, रहन सहन व खान पान के घोर विरोधी हैं। आई.एन.डी. आई. गठबंधन के सभी नेता मुस्लिम तुष्टिकरण, ईसाइयत व पश्चिमी सभ्यता में आकंठ डूबे हैं जो अपनी असभ्य हरकतों व बयानों को कला व अभिव्यक्ति की आजादी बताकर सही ठहरा रहे हैं।

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान में पराजय के बाद तो विरोधी दलों के नेता संतुलन ही खो बैठे हैं। विधानसभा चुनावों के पूर्व तमिलनाडु के द्रमुक नेताओं ने सनातन धर्म का उन्मूलन करने के लिए खूब जहरीली बयानबाजी करी और माफी भी नहीं मांगी तथा कांग्रेस नेता राहुल गांधी जो मोहब्बत की दुकान खोले बैठे हैं उन्होंने इस पर चुप्पी साध ली जिसका परिणाम कांग्रेस ने भुगत लिया है। अब राममला की प्राण–प्रतिष्ठा समारोह में जाना कांग्रेस के लिए साँप छछूंदर की गति जैसा हो गया है जाए तो भी मुश्किल और न जाए तो भी मुश्किल।

कांग्रेस के नेतृत्व में बने आई.एन. डी.आई. गठबंधन के सभी नेताओं ने हिंदू धर्म का जमकर मजाक उड़ाया व अपमान किया है। कांग्रेस ने तो भगवान राम का अस्तित्व ही नकार दिया था और ज्ञानवापी में मिले शिवलिंग को फव्वारा तक कह दिया था। राज्य विधानसभा के चुनाव समाप्त हो जाने के बाद भी तमिलनाडु के द्रमुक नेताओं की असभ्य बयानबाजी जारी है वहीं संसद के दोनो सदनों में विपक्षी सांसदो के सामूहिक निलंबन की ऐतिहासिक घटना के बाद ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी के सांसद कल्याण बनर्जी संवैधानिक पद पर विराजमान भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड का मजाक बना रहे है और बार– बार कह रहे हैं कि वह उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का हजार बार मजाक उड़ायेंगे ।

संसद के शीतकालीन सत्र में द्रमुक सांसद ने गौमाता का अपमान करते हुए बयान दिया था कि बीजेपी केवल गोमूत्र वाले राज्यों में ही है। अभी डीएमके नेता दयानिधि मारने ने बयान दिया है कि यूपी– बिहार के लोग सिर्फ हिंदी सीखते हैं और इसके बाद तमिलनाडु मजदूरी करने के लिए आते हैं वो शौचालय और सड़कों की सफाई जैसे काम करते हैं। अभी आई.एन.डी.आई. गठबंधन की पिछली बैठक के दौरान जब बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार जी ने हिंदी में भाषण दिया तो द्रमुक नेता टी. आर. बालू ने उनसे भाषण का अंग्रेजी अनुवाद मांग लिया था जिससे नितीश कुमार नाराज हो गये थे और कहा था कि हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है यह सभी को आनी चाहिए।

यदि विहंगम दृष्टि डाली जाये तो यह स्पष्ट दिखता कि 26 दलों के आई.एन.डी.आई. गठबंधन के सभी नेताओं में घोर विरोधाभास है। यह सभी दल भ्रष्टाचार के दलदल में अथाह डूबे हुए हैं और गिरफ्तारी से बचने के लिए नये– नये पैंतरे चल रहे हैं । आम आदमी पार्टी के नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के ऊपर शराब घोटाले सहित विभिन्न घोटालों में गिरफ्तारी की तलवार लटक रही है, बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार बंगाल में भ्रष्टाचार के अथाह दलदल में फंसी हुई है उनके मंत्रियो के यहां लगातार छापे पड़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी व उनकी सरकार मुस्लिम तुष्टिकरण में जुटी है, अभी हाल ही में उन्होंने कोलकता में आयोजित गीता समारोह का मजाक उड़ाया था । झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर भी गिरफ्तारी की तलवार लटकी है। इन लोगों ने मिलकर गांधी परिवार को दरकिनार करते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को सुनियोजित साजिश के तहत प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बना दिया जिसके कारण बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार के खेमे में नाराजगी दिखी और जद यू के विधायकों ने नाराजगी भरी बयानबाजी कर दी । उधर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा अब आक्रामक हो चुकी है। अयोध्या में रामलला के प्राण– प्रतिष्ठा समारोह को भव्य बनाये जाने के साथ ही वाराणसी में ज्ञानवापी और मथुरा में कृष्ण जन्मभूमि का विवाद भी अब हिंदू समाज के पक्ष में अदालतों में तीव्रता से आगे बढ़ रहा है। घबराया विपक्ष प्रधानमंत्री पर व्यक्तिगत आक्षेप लगाने का प्रयास कर रहा है जिसका प्रभाव उल्टा ही पड़ेगा।

सरस्वती रजत जयंती के दौरान अंताक्षरी और डीजे मस्ती

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। संगीत जीवन का सार है. अंताक्षरी कार्यक्रम में सभी चार सदनों के बीच सुपर प्रतियोगिता में कई दशकों से चली आ रही संगीत स्मृति, गीत, राग और वाद्य धुनों की प्रतियोगिता में छात्रों और शिक्षकों ने समान रूप से मीठी रेसिपी का स्वाद चखा।

यह कार्यक्रम कमांडर सुमित घोष, डॉ. विवेक बैंस, महिमा और अंकिता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता की पूरी तैयारी महिमा और अंकिता द्वारा की गई थी।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतियोगियों के स्वागत से हुई, जिन्हें महिमा द्वारा सभी नियम समझाए गए। राउंड 1 सुरो के सिलसिलेश में प्रतिभागियों को अंतिम अक्षर के अनुसार एक गीत गाना था जो एक–एक करके उनको मिला । राउंड 2 में– टीमों को एक शब्द वाली चिट चुननी थी और शब्द से शुरू होने वाला गीत गाना था। प्रतिस्पर्धा कड़ी होती जा रही थी. राउंड 3 श्देखो तो जानेश में प्रतिभागियों को पोस्टर की पहचान करनी थी, फिल्म का नाम देना था और उसके अनुसार गाना गाना था। राउंड 4 इंस्ट्रुमेंटल राउंड था जिसमें प्रतिभागियों को धुनों की पहचान करनी थी, गायक का नाम बताना था और गाना गाना था। प्रतिभागियों को वाद्य यंत्रों की पहचान करनी थी और गाना भी था। सबसे कठिन श्तेज गतिश(रैपिड फायर) राउंड था। यहां हर टीम से 10 रैपिड फायर सवाल पूछे गए जिनका जवाब उन्हें 2 मिनट में देना था। सभी प्रश्न संगीत एवं गीतों पर आधारित थे। अंत में चावला टीम में डॉ. सुमित मिश्रा, डॉ. प्रियांशी माथुर, रशिल कुमार सिंह और सत्यम ने अपने शानदार प्रदर्शन से प्रतियोगिता जीती। दूसरा स्थान रमन हाउस (डॉ. शेफाली अग्रवाल, डॉ.स्वस्तिक हजरा, जीनत खान एवं श्रीमती कविता)

कॉलेज के उत्सव सबसे अच्छे होते हैं, उन दिनों हवा में बहुत अधिक ऊर्जा और उत्साह होता है। मुख्य आकर्षणों में से एक निश्चित रूप से बैंड प्रदर्शन है। प्रतिभाशाली संगीतकारों से मंच जीवंत हो उठता है और भीड़ अनियंत्रित हो जाती है। सामान्य कॉलेज के दिनों की तुलना में यह आनंद का एक बिल्कुल अलग स्तर है। बैंड अपना ए–गेम लेकर आते हैं और वातावरण विद्युतमय हो जाता है। यह संगीत प्रतिभा दिखाने और एक साथ कुछ अद्भुत लाइव संगीत का आनंद लेने का एक शानदार तरीका है। विशेष बैंड प्रदर्शन का आयोजन जज्बात बैंड द्वारा मुख्य गायक पंकज सिंह के साथ किया गया था। इसने छात्रों को अपने मधुर गीतों और थिरकने वाले संगीत पर झूमने पर मजबूर कर दिया। बैंड दोपहर 1:30 बजे से शुरू होकर शाम 5:30 बजे तक चला ।

इक यादगार मधुर संगीतमय दिन डूबते सूरज के साथ समाप्त हुआ।

यूपी पुलिस भर्ती : २७ दिसंबर से करें आवेदन

लखनऊ (संवाददाता)। उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड ने नागरिक पुलिस में 60,244 सिपाहियों की सीधी भर्ती के लिए शनिवार को अधिसूचना जारी कर दिया है । इसके साथ ही आवेदन की तिथि भी घोषित कर दी गई है। भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने वाले अभ्यर्थी 27 दिसंबर से 16 जनवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे । आवेदन में संशोधन और शुल्क समायोजन के लिए अंतिम तिथि 18 जनवरी रखी गई है। अभ्यर्थी भर्ती से संबंधित जानकारी के लिए उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की वेबसाइट ीजजचेरूध्ध्नचचइचइ.हवअ. पद पर जाकर सारी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। बोर्ड की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक 60244 पदों में से अनारिक्षित श्रेणी के 24102 पद हैं, जबकि ईडब्ल्यूएस के लिए 6024 पद, अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए 16264 पद, अनुसूचित जाति के लिए 12650 पद और अनुसूचित जनजाति के लिए 1204 पद आरक्षित हैं।

पीएम के दौरे को लेकर सख्त होगी सुरक्षा, बाहरियों के अयोध्या प्रवेश पर रहेगी रोक

लखनऊ (संवाददाता)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 30 दिसंबर के दौरे को लेकर अयोध्या पुलिस ने सुरक्षा को लेकर पुख्ता तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत स्थानीय निवासियों का सत्यापन किया जा रहा है। सभी को निर्देश दिया है कि किसी के घर कोई बाहरी रिश्तेदार आता है तो इसकी सूचना पुलिस को देनी होगी। प्रधानमंत्री के रोड शो वाले मार्ग पर सड़क की दोनों पटरियों पर रहने वाले व रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित घर व दुकान मालिकों को पुलिस ने नोटिस जारी किया है। इसमें उनके परिवार के सदस्यों की संख्या, आगंतुक, रिश्तेदार, नौकर व किरायेदारों के बारे में जानकारी मांगी है। इसके लिए पुलिस ने मोबाइल नंबर भी जारी किया है। उधर, सूचना है कि प्रधानमंत्री के दौरे के एक दिन पहले से ही अयोध्या में बाहरी लोगों का प्रवेश वर्जित किया जा सकता है। बहुत जरूरी काम होने पर ही अयोध्यावासी कहीं आ–जा सकेंगे। इसके लिए उन्हें अपना पहचान पत्र दिखाना पड़ेगा। जनसभा में आने वाले लोगों को सिर्फ सभा स्थल तक ही आने दिया जाएगा। प्रधानमंत्री के रोड शो वाले मार्ग पर सड़क की दोनों पटरियों पर रहने वाले व रेलवे स्टेशन के आसपास स्थित घर व दुकान मालिकों को पुलिस ने नोटिस जारी किया है। इसमें उनके परिवार के सदस्यों की संख्या, आगंतुक, रिश्तेदार, नौकर व किरायेदारों के बारे में जानकारी मांगी गई है।

अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा द्वारा महामना पं. मदन मोहन मालवीय जयंती पर विशाल गोष्ठी का आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा द्वारा महामना पं मदन मोहन मालवीय जी की जयंती पर एस.के.टावर, नियर एम.आई. रसेल कोर्ट, लखनऊ मे विदुषी कनुप्रिया, महामंत्री, अखिल भारतीय ब्राह्मण महासभा पूर्वी भारत, की अध्यक्षता में एक विशाल गोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि पं चन्द्रिका प्रसाद तिवारी और विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में पं कुमार अशोक पाण्डेय, प्रवक्ता, भा.ज.पा.द्वारा प्रतिभाग किया गया।

पंडित यू.एन. मिश्रा द्वारा गोष्ठी के प्रारंभ पूजा व हवन से किया गया। उसके बाद विदुषी कनुप्रिया, राष्ट्रीय महामंत्री, अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा, पूर्वी क्षेत्र, पंडित संजय अवस्थी, अध्यक्ष, अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा, अवध प्रान्त, अध्यक्ष अवध प्रांत महिला प्रकोष्ठ विदुषी रागिनी अवस्थी, अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ, पंडित गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, महामंत्री, अवध प्रान्त, द्वारा मुख्य अतिथि और विशिष्ट आमंत्रित अतिथियों का अंगवस्त्रम और बुके देकरसम्मान किया गया। विदुषी आंचल शर्मा, आर्कीटेक्ट द्वारा समस्त आमंत्रित अतिथियों का चंदन टीका लगाकर स्वागत किया गया। सम्मानित अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर समस्त अतिथियों द्वारा महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी एवं भगवान परशुराम जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि एवं पुष्पांजलि अर्पित की गयी। विदुषी विनय मिश्रा द्वारा सरस्वती वंदना एवं स्वागत गीत गायन किया।

इस अवसर पर स्वागत भाषण देते हुए पं गिरीश चन्द्र

त्रिपाठी ने महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी के

व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि

मालवीय जी एक महान शिक्षाविद, प्रख्यात स्वतंत्रता

सेनानी, प्रखर वक्ता एवं समाज सुधारक थे। उन्होंने नारी

शिक्षा, विधवा विवाह का समर्थन, बाल विवाह का विरोध

करके नारी उत्थान में विशेष प्रयास किये। विदुषी रागिनी

अवस्थी ने बताया कि जिस समय देश आजाद हो रहा

था उस समय देश के हालात ठीक नही थे, भारतीय

संस्कृति का लगातार हास हो रहा था। ऐसे में भारतीय

संस्कृति को बचाए रखना एक बड़ी चुनौती थी जिसको

महामना के अथक प्रयासों से अक्षुण्ण रखा जा सका।पंडित कुमार अशोक पाण्डेय ने बताया कि हम जो ये गंगा की अविरल धारा हरिद्वार में देख रहे हैं ये महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी के गंगा महासभा बनाकर किये गयेअथक संघर्ष के कारण ही अंग्रेजी हुकूमत द्वारा बांध बनाकर गंगा को रोकने से बचाने की वजह से ही है। उन्होंने पहली बार हरिद्वार में हर की पैड़ी पर गंगा आरती प्रारंभ करायी। पंडित राकेश मिश्रा जी द्वारा गोष्ठी का संचालन करते हुए महामना के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके द्वारा समावेशी शिक्षा के प्रयासों के तहत एक ऐसे विश्वविद्यालय की स्थापना करना जिसमें आध्यात्म, भारतीय संस्कृति के मूल्यों से जुड़े विषयो के साथ साथ नवीन भारत के प्रगति एवं विकास से जुड़े तकनीकी, चिकित्सा, मानविकी, और आधुनिक शिक्षा के समस्त विषयों के अध्ययन और अध्यापन होता हो। पंडित संजय अवस्थी जी द्वारा विचारों के क्रम में बताया गया कि सामान्य तया समाज में ऐसे बहुमुखी प्रतिभा के धनी व्यक्ति विरले ही मिलते हैं जिन्हें समाज के सुधार, शुध्दिकरण, नारी उत्थान, उच्च शिक्षा, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, वकालत, भाषा एवं संस्कृति उत्थान, हिंदू महासभा का गठन आदि अनेक कार्य बहुत कुशलतापूर्वक संचालित किये।विशेष आमंत्रित अतिथि कुमार अशोक पाण्डेय जी ने महामना के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि महान शिक्षाविद, राजनेता, कुशल अधिवक्ता, स्वतंत्रता सेनानी, नारी उत्थान एवं समाज सुधारक के रूप में महामना का अप्रतिम योगदान है। पं चन्द्रिका प्रसाद तिवारी ने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि महामना के आदर्शों का हमें अपने जीवन में पालन करना चाहिए। ब्राह्मण समुदाय को उच्च शिक्षा एवं सांस्कृतिक ज्ञान अर्जित कर समाज में ब्रह्मत्व को मजबूत करना है। ब्राह्मण समाज के उत्थान के लिए महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी द्वारा दिखाए गये रास्ते पर चलकर ही पुराने वैभव व सामाजिक प्रतिष्ठा की प्राप्ति हो सकती है।

इस विशाल गोष्ठी में लखनऊ शहर के पंख प्रेम सागर त्रिपाठी, अध्यक्ष, लखनऊ जनपद, पं अनिल कुमार द्विवेदी, डी.एफ.ओ., कृष्ण कुमार उपाध्याय, अनिल कुमार त्रिपाठी, पं एस.पी.दुबे, पं देवमणि मिश्रा, कुलदीप अवस्थी, उमाशंकर दुबे, रेखा त्रिपाठी, आदिति शर्मा, कंचन अग्निहोत्री, डा. अमिता मिश्रा, राकेश कुमार मिश्र, गिरीश चन्द्र त्रिपाठी, संजय अवस्थी, निरंजन गौतम, रेखा त्रिपाठी, विनय मिश्रा, रागिनी अवस्थी,आंचल शर्मा आदि विभिन्न सामाजिक, राजनैतिक, बौद्धिक, व्यापारिक, और तकनीकी क्षेत्रों से जुड़े व्यवसायियों, विभिन्न सरकारी सेवाओं में कार्यरत एवं सेवानिवृत्त विप्र बंधुओं, विदुषियों और अन्य सैकड़ों गणमान्य लोगों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम के अंत में पं संजय अवस्थी, अध्यक्ष, अखिल भारत वर्षीय ब्राह्मण महासभा, अवध प्रांत ने इस अवसर पर पधारे समस्त आमंत्रित अतिथियों का आभार व्यक्त किया एवं महामना पंडित मदन मोहन मालवीय जी के आदर्शों पर चल कर ब्राह्मण समाज का गौरवशाली बनाने का आवाहन किया। कानपुर अयोध्या समेत अनेक जिलों में महामना मदन मोहन मालवीय जयंती मनाई गई। अवध प्रांत महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष रागिनी अवस्थी ने कहा कि बच्चों में ब्राह्मणों के गुण विकसित किए जाने चाहिए। बच्चों को धर्म और संस्कृति की शिक्षा दी जानी चाहिए। ब्राह्मणों को एक दूसरे का सहयोग करने का संकल्प लेना होगा।उन्होंने सरकार से आरक्षण समाप्त करने की मांग की। समारोह के दौरान अखिल भारतवर्षीय ब्राह्मण महासभा ने वरिष्ठ पत्रकार आर एल पाण्डेय को अवध प्रांत का मीडिया प्रभारी मनोनीत किया।

31 दिसंबर के बाद शुरू होगी बिजली बकायेदारों पर कार्रवाई

लखनऊ (संवाददाता)। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने बताया कि 8 नवंबर से शुरू हुई ओटीएस योजना में 23 दिसंबर तक 37.60 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं ने 3900 करोड़ रुपये जमा किया है। यह योजना 31 दिसंबर तक ही चलेगी। इसके बाद बिजली बकाया वाले और चोरी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने शनिवार को जल निगम फील्ड हॉस्टल में ओटीएस योजना की प्रगति के बारे में जानकारी ली। उन्होंने निर्देश दिया कि 31 दिसंबर के बाद बकाया वाले उपभोक्ताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाए। ऊर्जा मंत्री ने बताया कि योजना में 33.38 लाख घरेलू उपभोक्ताओं को लगभग 1041 करोड़ रुपए का लाभ मिला है। इनसे 3036 करोड़ रुपये का राजस्व मिला है। इसी तरह निजी नलकूप में 1.56 लाख किसानों को 113.46 करोड़ रुपए की छूट मिली और विभाग को 406 करोड़ रुपये का राजस्व मिला। इसी प्रकार यह ऐसी पहली योजना है, जिसमें 76 हजार लोगों ने विद्युत् चोरी करने व आरसी जारी होने के मामलों में भी लाभ लिया और उन्हें 376 करोड़ रुपये की छूट मिली।

प्रदेश में स्टांप बिक्री की प्रक्रिया हुई सरल, घर-ऑफिस से भी कर सकेंगे बिक्री

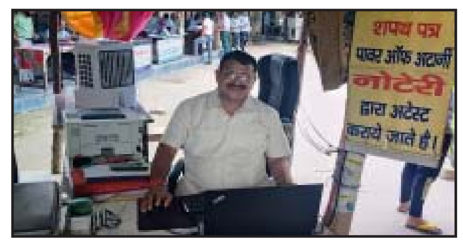

लखनऊ (संवाददाता)। स्टांप उद्यमी बनाने की दिशा में देश में पहला प्रयोग यूपी ने किया है। स्टांप एवं पंजीयन विभाग ने स्टांप को वेंडरों के दायरे से बाहर निकालकर पोस्ट ऑफिस तक पहुंचाने के बाद अब युवाओं को इससे जोड़ने की पहल की है। इसके लिए लाइसेंस प्रक्रिया को सरल किया गया है। इसका परिणाम यह निकला कि 5400 लोग 'स्टांप उद्यमी' बन चुके हैं। स्टांप एवं पंजीयन मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) रवीन्द्र जायसवाल ने बताया कि युवाओं को स्टांप के जरिये उद्यमी बनाने की पहल की गई है। इसके लिए विभाग ने अभियान छेड़ा है– आओ उद्यम करें। कहा कि अभी स्टांप बेचने का लाइसेंस पाना बेहद जटिल है। पुलिस व एलआईयू जांच के बाद भी कई स्तर से गुजरने के बाद लाइसेंस जारी किया जाता है। इसे सरल बनाते हुए केवल आधार कार्ड और स्व प्रमाणपत्र देना होगा। स्व प्रमाणपत्र को शपथपत्र के रूप में देना होगा कि आवेदक के खिलाफ किसी तरह का कोई केस दर्ज नहीं है और न किसी आपराधिक मामले में वांछित है। इस प्रक्रिया के बाद एडीएम फाइनेंस को 48 घंटे के अंदर लाइसेंस जारी करना होगा। स्टांप उद्यमी को घर, ऑफिस, दुकान या कहीं से भी स्टांप बेचने की छूट होगी। ई स्टांप बेचने की जिम्मेदारी स्टाक होल्डिंग कॉरपोरेशन के पास है। कॉरपोरेशन को आधा फीसदी कमीशन मिलता है। इसमें से जीएसटी हटाने के बाद कॉरपोरेशन स्टांप उद्यमी को 100 रुपये के स्टांप पर 23 पैसा कमीशन दे रहा है। एक लाख रुपये के स्टांप बेचने पर 230 रुपये उद्यमी को दिए जा रहे हैं। आय के इस नए स्रोत से युवा आकर्षित हो रहे हैं। इसीलिए एक महीने में 5400 स्टांप उद्यमी बन चुके हैं जो औसतन 12 हजार से 50 हजार रुपये महीना बिना लागत लगाए कमा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव से पहले यूपी प्रभारी पद से हटीं प्रियंका गांधी, अविनाश पांडेय को दी गयी जिम्मेदारी

लखनऊ (संवाददाता)। कांग्रेस ने उत्तर प्रदेश प्रभारी पद पर प्रियंका गांधी की जगह अब नागपुर निवासी अविनाश पांडेय को जिम्मेदारी सौंपी है। अविनाश अभी झारखंड के प्रभारी हैं। इसे आगामी लोकसभा चुनाव के दृष्टि से अहम माना जा रहा है। फिलहाल प्रियंका गांधी को अभी कोई घोषित जिम्मेदारी नहीं दी गई है। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारियों की घोषणा होने के बाद से ही उत्तर प्रदेश के प्रभारी पद पर निगाहें लगी थीं। प्रियंका गांधी को लोकसभा चुनाव 2019 से ठीक पहले यूपी की जिम्मेदारी दी गई थी, लेकिन तमाम प्रयास के बाद भी कांग्रेस के हाथ सिर्फ रायबरेली सीट लगी। इसी तरह वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में भी कांग्रेस उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पाई। पार्टी के विधायकों की संख्या सात से घटकर दो पर आ गई। विधानसभा चुनाव के बााद से ही प्रियंका गांधी ने उत्तर प्रदेश से दूरी बना ली थी। ऐसे में उत्तर प्रदेश प्रभारी को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं थीं। महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से कई प्रदेशों के प्रभारियों की घोषणा की गई। इसमें महाराष्ट्र के नागपुर निवासी अविनाश पांडेय को उत्तर प्रदेश प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह विधान सभा चुनाव के दौरान उत्तर प्रदेश के घोषणा पत्र कमेटी के प्रभारी रह चुके हैं। लोकसभा चुनाव के ठीक पहले प्रियंका गांधी यूपी के प्रभारी पद से हट गई हैं।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी मे. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI सन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1

deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।